वर्ष : 27 | अंक : 126 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 27 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

# पहलगाम हमले के दोषियों को बख्शेंगे नहीं

## पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दु:ख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीढ़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं।

कई राष्ट्राध्यक्षों ने उन्हें भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते गुरुवार को बिहार की एक जनसभा में भी पहलगाम हमले के दोषियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता। इंसाफ मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दुनिया में जो भी इंसानियत के पक्ष में है, वह हमारे साथ है। इस वक्त दुनिया में जो हमारे साथ खड़ा है, हम उनके शुक्रगुजार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

## शाहिद अफरीदी ने मांगा सबूत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले में 26 भारतीयों ने अपनी जान गंवाई थी। एक तरफ जहां पाकिस्तान की निंदा हो रही है।

वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने एक शर्मनाक हरकत की है। अफरीदी ने आंतकी हमले की निंदा करने के बजाय भारत से सबूत देने की बात कही।

एक वायरल वीडियो में पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए अफरीदी ने बेशर्मी के साथ भारत की ही आलोचना की। उनका कहना है कि आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है और बिना किसी जांच के जल्दबाजी में पाकिस्तान को दोषी ठहराना ठीक नहीं है। वीडियो तेज से इंटरनेट पर वायरल हो गया।

## दिल्ली के बुजुर्गों को 28 अप्रैल से मिलेंगे हेल्थ कार्ड

**10 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का उठा सकेंगे लाभ**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को सोमवार (28 अप्रैल) से आयुष्मान वय वंदना कार्ड जारी किए जाएंगे।

इस योजना के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग दस लाख रुपये का निशुल्क इलाज पा सकेंगे। जिसमें पांच लाख रुपये का इलाज आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई के तहत और पांच लाख रुपये का अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा दिल्ली सरकार उपलब्ध कराएगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## कानपुर के अपर आयुक्त राज्य कर शशांक शेखर हटाए गए

**टैक्स चोरी की नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, मथुरा, वाराणसी और लखनऊ से मिली थी शिकायतें**

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में शासन ने कानपुर के अपर आयुक्त (ग्रेड-1) राज्य कर शशांक शेखर द्विवेदी को मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह पर केस्को के प्रबंध निदेशक आईएएस सैमुअल पाल एन को प्रभार दिया गया है। पहली बार यह जिम्मेदारी एक आईएएस अधिकारी को दी गई है।

राज्य कर विभाग को टैक्स चोरी को लेकर कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, वाराणसी और लखनऊ समेत कई जिलों से शिकायतें मिली हैं। सूत्रों के अनुसार कानपुर राज्य कर विभाग में लंबे समय से शीर्ष अधिकारियों में आपसी खींचतान चल रही है। इन्हीं शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए अपर आयुक्त ग्रेड वन ने विभाग में तैनात एक अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## अब दुश्मनों की खैर नहीं, नौसेना के युद्धपोतों ने दागीं एंटी-शिप मिसाइलें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद से भारत की सेनाएं अपना शक्ति प्रदर्शन कर रही है। युद्धाभ्यास के तहत सेनाएं अपनी ताकत प्रमाणित कर रही हैं। इसी क्रम में अरब सागर में तैनात भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने हाल ही में कई एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग की। भारतीय नौसेना ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की तत्परता को पुन: प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार है।

इससे पहले भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को अरब सागर में तैनात किया था। यह भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। तैनाती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की गई थी। 'एक्स' पर चल रही सैटेलाइट तस्वीरों में विक्रांत को अरब सागर में जाते हुए देखा जा सकता है।

इससे पहले भारतीय नौसेना ने

सोशन मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था। इसमें लिखा गया, 'एकता में शक्ति, उद्देश्यपूर्ण उपस्थिति।' नौसेना ने पोस्ट के साथ कई हैशटैग भी लगाए थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देशभर में नाराजगी है। पूरा देश इस इंतजार में है कि कब और कैसे भारत आतंकवाद के पनाहगार पाकिस्तान को करारा जवाब देगा। इस बीच भारत की तीनों सेनाओं ने तैयारी शुरू कर दी है। उनका कहना है कि वह किसी भी परिस्थिति में और किसी भी दुश्मन को करारा जवाब देने के लिए तैयार है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला था।

## भाजयुमो अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं संग सुनी मोदी के 'मन की बात'

**नोएडा (चेतना मंच)।** आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के एपिसोड को नोएडा महानगर के शहीद भगत सिंह मंडल के ग्राम हल्द्वानी में बूथ संख्या-684 पर मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा ललित शर्मा के कार्यालय पर सुना गया। मुख्य अतिथि के रूप मे युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष (शेष पृष्ठ-3 पर)

## पहलगाम हमले के विरोध में निकाला गया कैंडल मार्च

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-34 के बी-3 अरावली अपार्टमेंट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ आरडब्ल्यूए के आह्वान पर निवासियों ने कैंडल मार्च निकाला। उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाए और मारे गए निर्दोष सैलानियों को श्रद्धांजलि दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## रेयान इंटरनेशनल स्कूल में पुरस्कार समारोह

**नोएडा (चेतना मंच)।** रेयान इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा में सत्र 2024-25 में शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित करने के लिए एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों को उनके गौरवान्वित और उत्साहित माता-पिता की उपस्थिति में दिए गए। महिमा गुप्ता (डेलोइट में एक इंजीनियर) और अभिषेक मिश्रा (माइक्रोसॉफ्ट में एक इंजीनियर) इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने योग्य विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए गर्व महसूस किया और यह सम्मान मिलने पर अपनी प्रसन्नता साझा की क्योंकि उन्होंने रेयान में अपनी शानदार यात्रा को एक शानदार यात्रा के रूप में याद किया जिसने उन्हें अपने लिए एक जगह बनाने में सक्षम बनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान सर्वशक्तिमान की उपस्थिति और एक विशेष प्रार्थना के साथ हुई। एक स्वागत नृत्य ने अपनी जीवंत कोरियोग्राफी, उत्साही नर्तकियों और अनूठी वेशभूषा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया सह-पाठयक्रम पुरस्कारों में शामिल हैं- फुर्तीला पैर पुरस्कार (नृत्य), वक्तृत्व कौशल, नाइटिंगेल पुरस्कार (गायन), खेल में स्टार कलाकार, एविड रीडर पुरस्कार, वाद्य कलाविद पुरस्कार, मैथ्स विज किड पुरस्कार और टेक्नो सेवी पुरस्कार। दर्शकों ने युवा रयानाइट्स द्वारा एक उत्साही ऑर्केस्ट्रा प्रदर्शन देखा, जिन्होंने विजयी अवसर को मनाने के लिए लयबद्ध और ऊर्जावान तरीके से प्रदर्शन किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## शिक्षा निदेशालय में लगी आग, हजारों फाइलें जलकर राख

**प्रयागराज (एजेंसी)।** शिक्षा निदेशालय में रविवार (आज) को आग लग गई। इसमें एडेड विद्यालयों की रखी गईं पांच हजार से अधिक फाइलें जलकर राख हो गईं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। निदेशालय के एक कमरे में लगी आग, जहां विद्यालयों के पंजीकरण और मान्यता से संबंधित तमाम दस्तावेज रखे गए थे। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। शिक्षा निदेशालय की पत्थर बिल्डिंग के लेखा अनुभाग कक्ष नंबर 14, 15 और 16 में आग आग लगी थी।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

## बदला कश्मीर

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सड़कों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं। 'जयचंदों' का निचले स्तर तक जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सूचियां तैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व 'हरी झंडी' देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले 'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाया जाए।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि राजा की प्रीति देखकर और उनके अमूल्य वचन सुनकर करुणानिधान भगवान बोले- ऐसा ही हो। हे राजन! मैं अपने समान ( दूसरा ) कहाँ जाकर खोजूँ! अत: स्वयं ही आकर तुम्हारा पुत्र बनूँगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**सतरूपहिं बिलोकि कर जोरें। देबि मागु बरु जो रुचि तोरें॥**
**जो बरु नाथ चतुर नृप मागा। सोइ कृपाल मोहि अति प्रिय लागा॥**

शतरूपाजी को हाथ जोड़े देखकर भगवान ने कहा- हे देवी! तुम्हारी जो इच्छा हो, सो वर माँग लो। (शतरूपा ने कहा-) हे नाथ! चतुर राजा ने जो वर माँगा, हे कृपालु! वह मुझे बहुत ही प्रिय लगा,॥

**प्रभु परंतु सुठि होति ढिठाई। जदपि भगत हित तुम्हहि सोहाई॥**
**तुम्ह ब्रह्मादि जनक जग स्वामी। ब्रह्म सकल उर अंतरजामी॥**

परंतु हे प्रभु! बहुत ढिठाई हो रही है, यद्यपि हे भक्तों का हित करने वाले! वह ढिठाई भी आपको अच्छी ही लगती है। आप ब्रह्मा आदि के भी पिता (उत्पन्न करने वाले), जगत के स्वामी और सबके हृदय के भीतर की जानने वाले ब्रह्म हैं॥

**अस समुझत मन संसय होई। कहा जो प्रभु प्रवान पुनि सोई॥**
**जे निज भगत नाथ तव अहहीं। जो सुख पावहिं जो गति लहहीं॥**

ऐसा समझने पर मन में संदेह होता है, फिर भी प्रभु ने जो कहा वही प्रमाण (सत्य) है। (मैं तो यह माँगती हूँ कि) हे नाथ! आपके जो निज जन हैं, वे जो (अलौकिक, अखंड) सुख पाते हैं और जिस परम गति को प्राप्त होते हैं-॥

(क्रमश:...)

# पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेगी, उसको कड़वे घूंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए



**जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे।**

तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसुरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग स ?कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्टा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा भारत आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है। - **ललित गर्ग**

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## कमरे की आखिरी मोमबत्ती (व्यंग्य)

ऊंचे मकान के भीतर एक छोटा सा कमरा। चार दीवारें और एक धूलभरा फर्श। इस कमरे का एक मात्र जीवंत साथी - एक मोमबत्ती। रवींद्रन, एक बत्तीस वर्षीय नौजवान, उसी मोमबत्ती की लौ में अपनी जिंदगी के अंधेरे को थोड़ा सा उजाला देने की कोशिश करता था। उसकी आँखों में अजीब सी गहराई थी, मानो उनकी भाषा में केवल पीड़ा लिखी गई हो। मोहल्ले के लोग कहते थे, 'अरे, रवींद्रन, तुझे नौकरी चाहिए या दुनिया बदलने का काम?' पर उसकी खामोशी का जवाब केवल मोमबत्ती देती थी, झिलमिलाते हुए।

'जिंदगी में कितना अंधेरा है, रवींद्रन। लेकिन तुमने तो इस मोमबत्ती के साथ दोस्ती कर ली,' सुदर्शन ने मजाक उड़ाया था। रवींद्रन ने मुस्कुरा कर कहा, 'इस मोमबत्ती में तो मेरी पूरी जिंदगी कैद है। क्या तुमने भी अपनी जिंदगी को कभी मोमबत्ती में ढूंढा है?' उसकी बातें रहस्यमयी थीं, पर सुदर्शन को उस दिन पहली बार रवींद्रन के अंदर जलते दर्द की लौ समझ आई।

यह मोमबत्ती केवल मोम और धागा भर नहीं थी। यह तो एक इंसानी भावना का प्रतीक थी। हर बार जब रवींद्रन रात की खामोशी में उसे जलाता, वह मानो अपनी बातें उससे साझा करता। 'तू भी खत्म हो जाएगी, जैसे मैं धीरे-धीरे खत्म हो रहा हूं,' रवींद्रन ने एक बार कहा था। उस रात, मोमबत्ती की लौ भी जैसे आँसू बहा रही थी।

मोहल्ले में कुछ बच्चे उस कमरे के बाहर खेलते थे। वे हँसते थे, गाते थे। लेकिन जब वे रवींद्रन को देखते, उन्हें लगता कि उनकी हँसी की गूँज उस कमरे की दीवारों पर टकरा कर लौट आती है। एक बच्चा, आर्यन, रवींद्रन के कमरे के पास खड़ा होकर कहा करता था, 'दादा, हमें भी अंदर बुला लो, हमें भी उस मोमबत्ती की रोशनी में कुछ देखना है।' पर रवींद्रन हमेशा उन्हें एक हल्की मुस्कान देकर मना कर देता। वह जानता था कि उसकी दुनिया में किसी और को लाना अपराध जैसा होगा।

**रवींद्रन ने अपनी जिंदगी का हर हफ्ता उस मोमबत्ती के साथ बिताया। लेकिन एक रात, वह अचानक गायब हो गई। पड़ोसियों ने देखा, मोमबत्ती का जलना बंद हो गया था। कुछ लोग यह मानते थे कि रवींद्रन को कोई बड़ी नौकरी मिल गई।**

रवींद्रन ने अपनी जिंदगी का हर हफ्ता उस मोमबत्ती के साथ बिताया। लेकिन एक रात, वह अचानक गायब हो गई। पड़ोसियों ने देखा, मोमबत्ती का जलना बंद हो गया था। कुछ लोग यह मानते थे कि रवींद्रन को कोई बड़ी नौकरी मिल गई है। लेकिन उसकी कहानी कहीं और लिखी जा चुकी थी। वह मोमबत्ती के साथ अपनी जिंदगी को खत्म करने की कसम खा चुका था।

एक रात, कमरे की आखिरी मोमबत्ती बुझ गई। और उसी के साथ, रवींद्रन की कहानी का अंत। उसके कमरे में केवल उसकी परछाई बाकी थी, जो दीवारों पर टिकी हुई थी। मोहल्ले के लोग उसकी याद में रोते रहे। लेकिन वह मोमबत्ती... वह अब भी वहीं थी, जैसे उसका दर्द कह रही हो। हर बार किसी के हाथ से जलाने के लिए तैयार, पर रवींद्रन की कहानी को कभी भूलने की कसम खाए हुए। उसकी रोशनी अब कमरे को रोशन नहीं करती, पर उसकी आत्मा को जरूर करती थी।

कहानी खत्म। पाठकों की आँखें भीगी, दिल भारी। मोमबत्ती का दर्द, और रवींद्रन का अस्तित्व हमेशा इस दुनिया में गूँजता रहेगा। किसी कमरे में, किसी मोमबत्ती में।

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

## राशिफल

वैशाख अमावस्या | (विक्रम संवत् 2082)

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
कौटुंबिक सुख मिलेगा। वाणी नियंत्रित रहेगी। शुभता बनी रहेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
शुभ संस्कार में शामिल होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)**
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)**
राजनीतिक लाभ मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद। व्यावसायिक सफलता। पिता का साथ।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
यात्रा का योग बनेगा और यात्रा लाभदायक होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
कोई रिस्क न लें। थोड़ा बचकर पार करिए। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीक है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते)**
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। चली आ रही परेशानी दूर होगी। शादी-ब्याह तय हो सकती है।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)**
गुण-ज्ञान की प्राप्ति। बुजुर्गों का आशीर्वाद।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढ, भे)**
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा है।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम के लिए अच्छा समय, संतान के लिए अच्छा समय।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान मध्यम है।

**मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)**
मीन राशि की स्थिति अच्छी होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

# राष्ट्रीय लोकदल की सांगठनिक बैठक सम्पन्न

**नोएडा ( चेतना मंच )।** हस्तिनापुर क्षेत्र राष्ट्रीय लोकदल युवा के संगठन की बैठक जनपद गौतमबुद्धनगर में परीचौक स्थित गुर्जर भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता हस्तिनापुर क्षेत्र के अध्यक्ष आसिफ़ चौधरी ने की। बैठक का संचालन हस्तिनापुर क्षेत्र के उपाध्यक्ष एडवोकेट दानवीर चौधरी ने किया।

बैठक में मुख्य अतिथि युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष उत्तर प्रदेश रविन्द्र सिंह पटेल ने संगठन पर विचार व्यक्त करते हुआ कहा कि NDA सरकार में रालोद सहयोगी दल होने के नाते पंचायत चुनाव से पहले सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीयवार बैठक कर युवा रालोद को मज़बूत करेंगे। संगठन की बैठक कर युवा वर्ग को पार्टी से जोड़ेंगे। बैठक में 9 जिलों के युवा रालोद के जिला अध्यक्ष मौजूद रहे। क्षेत्रीय कमेटी के पदाधिकारी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश रालोद के पदाधिकारी मौजूद रहे। युवा महानगर नोएडा के पद पर गौरव आजाद को नियुक्त किया गया। संगठन की बैठक के समापन पर पहलगाम में आतंकी घटना में मारे गए लोगों की शांति के लिये दो मिनट का मौन धारण किया गया।

इस मौक़े पर युवा ज़िलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर आज़ाद मलिक, ज़िलाध्यक्ष रालोद गौतमबुद्धनगर जनार्दन भाटी, मण्डल अध्यक्ष मेरठ इन्द्रवीर भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत दौला, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल डबास, हेमा पाठक प्रदेश महासचिव, बिजेन्द्र यादव नोएडा महानगर अध्यक्ष, निशांत भाटी मकोड़ा महासचिव युवा रालोद ,मनवीर भाटी, हरबीर तालान, इमामुद्दीन सैफी, ताहिर सैफी, इलियास, मुजीब ठाकुर, करतार भाटी, गंधर्व त्यागी, सागर सिंह भंडारी, राहुल राणा, देवेश ठाकुर, अमित ढोढियाल, पंकज, जसवीर भाटी, विनीत भाटी, पुष्पेन्द्र शर्मा, अमित गुर्जर एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# आभार और आत्मविश्वास से बच्चे हर चुनौती को अवसर में बदलते हैं : रश्मि पाण्डेय

**नोएडा ( चेतना मंच )।** ईएमसीटी (ईथोमार्ट चैरिटेबल ट्रस्ट) के तत्वावधान में प्राथमिक विद्यालय, छोटी मिलक बिसरख में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य बच्चों में 'आभार' और 'सकारात्मक पुष्टि' के महत्व को जागरूक करने की थीम के अंतर्गत उनके भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानने और निखारने के लिए प्रेरित करना था।

यह सत्र कनिका खुराना द्वारा संचालित किया गया, जो ईएमसीटी की सक्रिय सदस्य हैं, एक प्रतिष्ठित IT कंपनी में HR पद पर कार्यरत हैं तथा बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों का भी गहन अध्ययन कर रही हैं। उनकी संवाद शैली और अनुभव ने बच्चों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया।

इस अवसर पर कनिका खुराना ने कहा कि जिसने आभार जताना सीख लिया, उसने जीवन की सबसे सुंदर कला सीख ली। बच्चों ने आभार व्यक्त करने का अभ्यास किया और सकारात्मक वाक्यों को ऊर्जावान ढंग से दोहराया।

सत्र के दौरान ईएमसीटी की संस्थापक रश्मि पाण्डेय ने कहा कि बच्चे जब स्वयं पर विश्वास करना सीखते हैं और आभार का भाव रखते हैं, तो वे जीवन में हर चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य इकरार खान ने ईएमसीटी संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सत्र बच्चों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में अध्यापिका शालिनी चक्रवर्ती, अमित गिरी सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

# कब्रिस्तान की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटाया

**गाजियाबाद ( ब्यूरो )।** गाजियाबाद के डासना में 20 साल पुराने अवैध कब्जे पर प्रशासन का पीला पंजा चला। यहां कब्रिस्तान की जमीन पर बंजारा जाति व कुछ असामाजिक तत्वों ने कब्जा कर रखा था जिसको प्रशासन ने तोड़ दिया।

नायब तहसीलदार प्रवीण गुप्ता ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन और नगर पंचायत ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत डासना के खसरा संख्या-2211 की वक्फ संपत्ति, जो सरकारी रिकॉर्ड में कब्रिस्तान के तौर पर दर्ज है उसे भारी पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के जरिए कब्जा मुक्त कराया गया। बताया जा रहा है कि इस जमीन पर बंजारा जाति के कुछ असामाजिक तत्वों ने कब्जा कर रखा था।

कब्रिस्तान कमेटी के मेंबर वहीद ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। डा. शहजाद ने बताया कि हमारी वर्षों की लड़ाई रंग लाई है। अब कब्रिस्तान को हरा-भरा बनाएंगे।

# मॉडल लेबर चौक योजना का मजदूर नेता ने किया स्वागत

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा समेत उत्तर प्रदेश के 6 शहरों

में प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मॉडल लेबर चौक बनाए जाने का सभी श्रमिक यूनियन तथा नेता स्वागत कर रहे हैं। आगामी 6 माह के अंदर नोएडा में भी बनने वाले मॉडल लेबर चौक में 20 लाख की लागत से शेड ,पीने के पानी की व्यवस्था, पंखा एवं शौचालय का निर्माण कराया जाएगा।

श्रमिक नेता रजब खान ने योगी सरकार की इस योजना का स्वागत किया तथा उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से गर्मी धूप तथा बरसात में लेबर चौराहों पर खड़े होने वाले मजदूरों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से मजदूरों का उत्साहवर्धन होगा तथा हर वर्ष 1 मई को होने वाले मजदूर दिवस की महत्ता और भी बढ़ जाएगी। उन्होंने मांग की सरकार नोएडा में मजदूरों के रहने के लिए श्रमिक कुंज की तरह और भी स्थानों पर श्रमिक कुंज बनाए ताकि मजदूर वहां एक-एक कमरे का मकान लेकर रह सकें।

# पहलगाम नरसंहार के विरोध में सेक्टर-50 में कैंडल मार्च

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए सामूहिक नरसंहार के विरोध में आर.डब्ल्यू.ए. सेक्टर-50, एफ ब्लॉक द्वारा मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने एवं दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की माँग करते हुए कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए RWA महासचिव राजेश सिंह ने बताया कि इस कैंडल मार्च में सेक्टर के सैकड़ों निवासियों ने भाग लिया, महिलाओं, बच्चों, युवाओं व बुजुर्गों ने इस नरसंहार की कड़ी निंदा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एन सी अग्रवाल, नीरज कुलश्रेष्ठ, अभिषेक चौहान, डी शर्मा, कर्नल राठी, अशोक नौरियाल, राजीवा सिंह, उदय टंडन, कर्म सिंह, करतार चौहान जी व सैकड़ों निवासियों ने प्रतिभाग किया।

# सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए ने कैंडल जलाकर दी पहलगाम के दिवंगतों को श्रद्धांजलि

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जम्मू कश्मीर के पहलगांव में निर्दोष हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ सेक्टर-11 आरडब्लूए के अध्यक्ष अनुज गुप्ता के नेतृत्व में लोगों कैंडल जलाकर उनको श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर महासचिव, दिनेश कृष्णन, SC अग्रवाल, विपुल शर्मा, कुंवर सिंह, विनय मोहन, मनोज, सतीश कुमार, शैलजा सक्सेना ,राहुल द्विवेदी, हीरालाल गुप्ता, रामरूप गोयल, रामचंद्र, देवकीनंदन, राजीव चावला, राहुल अमितेश आदि सैक्टरवासी तथा पदाधिकारी मौजूद थे।

## पृष्ठ एक के शेष....

**रेयान इंटरनेशनल स्कूल में....**

अभिभावकों ने अपने वार्डों की खुले दिल से सराहना की और छात्रों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री निधि त्रिवेदी ने अपने शैक्षणिक सफर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों की सराहना करते हुए उत्साहजनक बातें कहीं। उन्होंने स्कूल के मेंटर डॉ. ए.एफ. पिंटो और प्रबंध निदेशक मैडम डॉ. ग्रेस पिंटो का उल्लेख किया, जो हमेशा रयानाइट्स को अपने लक्ष्यों का पीछा करते हुए सीखने और विकास के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं।

**दिल्ली के बुजुर्गों को....**

हर वर्ग के बुजुर्गों को यह कार्ड जारी होगा। इसलिए आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई से पंजीकृत निशुल्क अस्पतालों से 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग बीमार होने पर निशुल्क इलाज पा सकेंगे। इससे बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलेगी। बुजुर्गों को अस्थमा, ब्लड प्रेशर, किडनी की परेशानी, हृदय रोग, आंखों में मोतियाबिंद इत्यादि परेशानी अधिक होती है।

मोतियाबिंद से पीड़ित बुजुर्ग अपना निशुल्क सर्जरी भी आसानी से करा सकेंगे। दिल्ली में 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के करीब छह लाख बुजुर्ग हैं। पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि 28 अप्रैल को त्यागराज स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित कर बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण शुरू होगा।

साथ ही उनका रजिस्ट्रेशन भी शुरू होगा। प्रत्येक पंजीकृत बुजुर्ग को जारी होने वाले इस यूनिक हेल्थ कार्ड में उनका संपूर्ण स्वास्थ्य रिकॉर्ड, नियमित स्वास्थ्य जांच की जानकारी और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी जानकारी सुरक्षित रहेगी।

बताया जा रहा है कि सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बुजुर्गों की सूची तैयार की जा रही है। प्रत्येक जिला कार्यालयों में उनका रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। इसके अलावा जनप्रतिनिधि भी उनका रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए लाभार्थी बुजुर्ग का आधार कार्ड होना जरूरी है। आधार कार्ड के माध्यम से उनका रजिस्ट्रेशन होगा।

**कानपुर के अपर आयुक्त....**

टैक्स चोरी से जुड़ी इस जांच में नीचे से ऊपर तक के कई अधिकारी फंस रहे थे। इस वजह से विभाग में अधिकारी दो गुटों में बंट गए और एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने लगे। ऐसी ही शिकायतों के आधार पर अपर आयुक्त ग्रेड वन शशांक शेखर द्विवेदी को मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है।

**पहलगाम हमले के विरोध ....**

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया सेक्टर निवासियों द्वारा कैंडल मार्च निकालकर शोक सभा आयोजित की गई जिसमें हमले में मारे गए निर्दोष सैलानियों के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि व्यक्त की उन्होंने कहा कि आतंक किसी भी सूरत पर सहन करने के काबिल नहीं है। आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस अवसर पर महासचिव प्रदीप सिंह कोषाध्यक्ष आर पी प्रजापति अजय श्रीवास्तव अविनाश कुमार सविता केदार अजय रस्तोगी मुनीश बाबू संतराज सिंह सुरेश बने ज्योस्तनामयी आचार्य आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

**भाजयुमो अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं ....**

रामनिवास यादव रहे।

इस मौके पर बूथ अध्यक्ष हरेंद्र वर्मा, कपिल शर्मा, डॉ सतपाल, नरेश भारद्वाज, नफे सिंह, दिनेश सैनी, दुर्गा पाण्डेय आदि मौजूद रहे।


**पूर्वोत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर / टी.आर.एस. / पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड, गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है:-

**क्रम सं.-01,** निविदा सूचना संख्या: LS-GD-2025-Repair-CabAC-R, कार्य का नाम: "छोटे और बड़े शेड्यूल के दौरान गोण्डा एवं गोरखपुर शेड के लोको की छत पर लगे कैब एसी की मरम्मत और रखरखाव 02 वर्षों के लिये।" अनुमानित लागत: ₹ 56,63,966.14, निविदा की अवधि: 24 माह, अग्रिम धनराशि: ₹ 1,13,300/-,

**क्रम सं.-02,** निविदा सूचना संख्या: LS-GD-24-AMC-Simulator-R3, कार्य का नाम: "एक वर्ष के लिये DTTC/गोण्डा में कोरीस मेक डीजल लोको सिम्युलेटर का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।" अनुमानित लागत: ₹ 88,32,300.00, निविदा की अवधि: 12 माह, अग्रिम धनराशि: ₹ 1,76,700/-,

• ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 16-05-2025, 12:00 बजे। • इस ई-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। • निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

स.मं.वि. इन्जी. / टी.आर.एस., लोको शेड, मुजाधि / विद्युत-12 गोण्डा

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।



**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

## खास खबर

### यूएनएससी ने की पहलगाम हमले की निंदा

**जिनेवा।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में की गई है। यूएनएससी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक करार दिया। यूएनएससी ने बयान जारी कर पहलगाम हमले की निंदा की, जिसमें कहा गया, सुरक्षा परिषद के सदस्य 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की सबसे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई घायल हुए। हमले में एक नेपाली नागरिक भी मारा गया था। बयान में भारत और नेपाल सरकारों, जिनके नागरिक इस हमले में मारे गए, के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इस ह्यघृणित आतंकवादी कृत्यह्व के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

### जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर एकतरफा यातायात बहाल

**रामबन।** जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण वाहनों की आवाजाही पांच दिन तक बाधित रहने के बाद अब एकतरफा यातायात बहाल कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को जम्मू से श्रीनगर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए रास्ता खोल दिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शनिवार को रामबन का दौरा कर, 20 अप्रैल को बादल फटने से आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए राजमार्ग और अन्य बुनियादी ढांचे की बहाली के काम की प्रगति की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि रामबन खंड पर फंसे वाहनों की आवाजाही को सुचारु करने के लिए बुधवार को राजमार्ग को साफ किया गया था। हालांकि, राजमार्ग पर यातायात बहाल होने के बावजूद, कई पर्यटकों ने घंटों लंबे यातायात जाम में फंसे रहने की शिकायत की।

### दिव्यांग टीचर ने छात्रों की कर दी पिटाई

**नाथनगर ।** बिहार के भागलपुर जिले के सरकारी स्कूल में तैनात एक शिक्षक ने छात्रों की पिटाई लगा दी। नाथनगर के दोगच्छी मध्य विद्यालय में तैनात बीपीएससी शिक्षक संवेंद्र कुमार दिव्यांग है। बताया जा रहा है कि छात्र-छात्राएं अक्सर दिव्यांग टीचर को चिढ़ाते थे। इससे गुस्सा होकर शिक्षक ने बच्चों की जमकर पिटाई लगा दी। इसके बाद स्कूल में बवाल हो गया। शिक्षक मूलरूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। ग्रामीणों ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया। शिक्षक का कहना था कि बच्चे दिव्यांग होने के कारण आए दिन चिढ़ाते रहते हैं। इस बात को लेकर उन्होंने बच्चों को पीटा था। प्रिंसिपल अरुण कुमार के अनुसार अभिभावक एवं जिला पंचायत के सदस्य धनंजय मंडल बच्चों की पिटाई की शिकायत लेकर स्कूल पहुंचे। इस दौरान शिक्षक कुमार ने बेकाबू होकर उन पर ईंट पत्थर बरसा दिए।

# दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, सात सफाईकर्मियों की मौत

एजेंसी

**नूंह।** दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत गांव इब्राहीम बास गांव के पासशनिवार की सुबह एक बेकाबू पिकअप वाहन ने सफाई कर्मचारियों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई।खबर लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरूष है। इनमें चार महिलाएं एकही परिवार की हैं। बताया जा रहा है कि इब्राहिम बास गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर

सफाई का काम चल रहा है। गांव खेड़ली कलां के लोगों को सफाई के लिए ठेकेदार ने लगाया है। शनिवार को करीब सुबह 10 बजे पिकअप से 11 लोग सफाई करने के लिए आए थे। जब ये लोग अभी एक पिकअप वाहन से उतरे ही थे, तभी गुरुग्राम की ओर से तेजी से आई पिकअप ने इन लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सफाई करने आए लोगों के शव इधर-उधर बिखर गए। कई शव दो टुकड़ों में बंट गए।इस दुर्घटना में छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति और चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलएक व्यक्ति ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। अभी भी दो महिलाओं की हालात गंभीर बनी हुई है। मरने वाली महिलाओं में चार महिलाएं एक ही परिवार की है। हादसा होने के बाद पिकअप गाड़ी का चालक फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया और शवों को अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा में रखवा दिया है।

## दून अस्पताल परिसर में बनी मजार पर चला बुलडोजर

एजेंसी

**देहरादून।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के दून अस्पताल परिसर में स्थित एक मजार को प्रशासन ने शनिवार देर रात बुलडोजर चलवा कर हटवा दिया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायत के बाद की गई, जिसमें मजार को सरकारी भूमि पर बिना अनुमति बनाए जाने का आरोप लगाया गया था। बताते चलें कि ऋषिकेश निवासी पंकज गुप्ता द्वारा की सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी ने तत्काल मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जांचकताओं ने पाया कि मजार के निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। इसके बाद राजस्व विभाग, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, अस्पताल प्रशासन और अन्य विभागों की संयुक्त जांच टीम ने इसकी पुष्टि की।

शुक्रवार और शनिवार के मध्य देर रात नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन और दून अस्पताल प्रशासन की संयुक्त टीम ने अस्पताल मार्ग को सील करते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में मजार पर बुलडोजर चलाया। खास बात यह रही कि मलबे से कोई धार्मिक अवशेष नहीं मिला। इस कार्रवाई के बाद देहरादून शहर में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। कुछ लोग इसे प्रशासन की साहसिक कार्रवाई मान रहे हैं, वहीं कुछ लोगों ने धार्मिक भावना से जोड़ते हुए नाराजगी भी जताई है।

## काठमांडू में पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

- पाक दूतावास बंद करने की मांग

एजेंसी

**काठमांडू।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में एक नेपाली नागरिक की मौत के विरोध में शनिवार को काठमांडू में पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हुआ। बड़ी संख्या में युवाओं ने पाकिस्तानी दूतावास के सामने एकत्र होकर विरोध जताया और दूतावास को बंद करने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाया और कहा कि इसी कारण एक निर्दोष नेपाली नागरिक की जान गई। प्रदर्शन के

दौरान पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए गए और पाकिस्तान के सेना प्रमुख की तस्वीरें लेकर प्रदर्शनकारियों ने कड़ा विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार से मांग की कि पाकिस्तान से राजनयिक संबंधों पर पुनर्विचार किया जाए और काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास को बंद कर दिया जाए। उनका कहना था कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता रहेगा, तब तक इस प्रकार की घटनाएं होती रहेंगी और निर्दोष नागरिकों की जान जाती रहेगी। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन से अधिक पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी, जिसमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इस घटना के बाद नेपाल में भी आक्रोश की लहर देखी जा रही है। शनिवार को हुआ यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन युवाओं का गुस्सा और पाकिस्तान के प्रति विरोध साफ तौर पर नजर आया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर नेपाल सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए तो वे आगे और बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

### जज को एफबीआई ने किया गिरफ्तार

**वॉशिंगटन।** अमेरिका में ट्रंप सरकार और न्यायपालिका आमने सामने दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कई प्रकरण अदालत में चल रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की कार्रवाई में बाधा डालने और एक अवैध आप्रवासी को गिरफ्तारी से बचाने में मदद करने का आरोप में एक जज को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी पर एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बधाई दी है। यह मामला विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी का है। यहां एक अभूतपूर्व घटना में, एफबीआई ने मिल्वौकी काउंटी सर्किट जज हन्ना डुगन को गिरफ्तार कर लिया। उन पर आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की कार्रवाई में बाधा डालने और एक अवैध आप्रवासी को गिरफ्तारी से बचाने में मदद करने का आरोप है।

## पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर 9 गिरफ्तार

एजेंसी

**श्रीभूमि।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के समर्थन में की गई कथित पोस्ट के आरोप में असम पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में एक विधायक भी शामिल है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ऐसे कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। असम पुलिस ने शुक्रवार रात श्रीभूमि जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर सोशल मीडिया पर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखी पोस्ट करने का आरोप था। मुख्यमंत्री सरमा ने ट्वीट कर बताया कि करीमगंज पुलिस ने सैकुट गांव के निवासी मोहम्मद मुस्ताक अहमद को गिरफ्तार किया है, जो फेसबुक पर पाकिस्तान का समर्थन कर रहा था। इसके अलावा, कछार पुलिस ने दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, इनमें बक्तर हुसैन बरभुइया और मो. इमरान हुसैन बोरभुइया हैं, इन पर भी पाकिस्तान के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा, असम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा जो पहलगाम में हुए जघन्य हमले के सिलसिले में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन या बचाव करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के पक्ष में बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## पाकिस्तान की गोलीबारी का सेना दे रही माकूल जबाव

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पहलगाम आतंकवादी वारदात के बाद पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है। बीते दो दिनों से पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। पाकिस्तानी सैन्य चौकियों से की गई फायरिंग का भारत की सेना ने सख्त जवाब दिया है। सेना ने बताया कि 25-26 अप्रैल की रात को कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तानी सेना की विभिन्न चौकियों से फायरिंग की गई। यह फायरिंग बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से की गई। भारतीय सैनिकों ने छोटे हथियारों से इस गोलीबारी का उचित जवाब दिया। सेना के मुताबिक इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले शुक्रवार को भी नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हुई थी। शुक्रवार को भी यह फायरिंग पाकिस्तान द्वारा शुरू की गई। भारतीय सेना ने इस गोलीबारी का माकूल जवाब दिया था। गौरतलब है कि शुक्रवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू-कश्मीर में पहुंचे थे। वे सुरक्षा बलों की कार्रवाई व तैयारी का निरीक्षण करने आए हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ ने यहां वरिष्ठ सैन्य कमांडर्स के साथ मीटिंग की है। सेना प्रमुख ने यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

### म्याऊ-म्याऊ ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

**ठाणे ।** महाराष्ट्र के ठाणे पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने घोड़बंदर रोड पर बड़ी कार्रवाई कर 21 वर्षीय ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 242 ग्राम म्याऊ-म्याऊ यानि मेफेड्रोन (एमडी ड्रग्स) बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 48 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ड्रग्स तस्कर घोड़बंदर रोड इलाके में नशीले पदार्थों की सप्लाई करने आ रहा है। इस जानकारी के आधार पर ठाणे क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान घेवरम पटेल (21) के रूप में हुई है, जो हैदराबाद का निवासी है और मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है।

## संत शिरोमणि भक्त धन्ना जाट की जयंती पर भंडारा का आयोजन

एजेंसी

**झज्जर ।** जिलामुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा संत शिरोमणि भक्त धन्ना जाट जी की 610वी जयंती के अवसर पर बाबा शिवपुरी जी महाराज, 19वे मठाधीश, बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ, कोसली ने अपने हाथों से वीरों की देवभूमि धारौली के बाबा जोहड़ी वाले धाम के परिसर में वृक्षों की त्रिवेणी पीपल, बरगद, नीम लगाई। बाबा शिवपुरी जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि बरगद व पीपल दोनों पेड़ों में एक विशेष गुण है जो उन्हें 24 घंटों में ऑक्सीजन छोड़ने की क्षमता देता है। नीम को उसके औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है। बाद में धन्ना जाट जी की जयंती के उपलक्ष्य में शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट आकाश यादव राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल कोसली के सामने, नजदीक लेवी डिस्पोजल हाउस , कोसली में बाबा शिवपुरी जी महाराज, 19वे मठाधीश, बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ, कोसली ने अपने

हाथों से मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा आयोजित अन्न जल अर्पण समर्पण कार्यक्रम - साग, पुरी और मीठी खीर का भंडारा का शुभारंभ किया । बाबा शिवपुरी जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि संत शिरोमणि भक्त श्री धन्ना जाट जिनकी सच्ची और निश्चल भक्ति से भगवान श्री कृष्ण जी खुद उनके सामने प्रकट हो गये थे। 21बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि निम्न 1. संजय कुमार, प्रो, बालाजी टेंट हाउस एंड लाइट डेकोरेशन, तुम्बाहेडी 2. धारौली के एक युवा द्वारा गुप्त दान 3. हरियाणा सरकार में जूनियर इंजीनियर अजय मलिक, खानपुर कलां, सोनीपत 4. राकेश लांबा धारौली निवासी, सीनियर एडवोकेट, सिविल कोर्ट, कोसली 5. मास्टर हरबीर मल्हान गिरधरपुर निवासी 6. फौजी इंजीनियर जगदीश ग्रेवाल सासरौली निवासी 7. बैंक में कार्यरत इंजीनियर अजय जाँगडा भिवानी 8. इंजीनियर संजीव घनधश भिवानी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में कार्यरत 9. कुलवेन्द्र सिंह यादव, गांव मुमताजपुर, रेवाड़ी 10. जहाजगढ़, जिला झज्जर के प्रमोद जांगडा 11. लेवी डिस्पोजल, कोसली प्रो, मास्टर रोहित यादव कोसली 12. समाजसेवी सागर यादव, रेलवे स्टेशन कोसली 13. सैनी आनंदपुरा, रोहतक के राकेश सैनी 14. नितेश भोरिया प्रो, अर्बन युवा क्लब कपड़ो की दुकान, कोसली 15. कोसली स्टेशन में नाहड रोड पर 'सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटर' प्रो. सोनू धारौली 16. इंजीनियर अमित दाँगी, मदीना गाँव, रोहतक 17.इंजीनियर परमवीर यादव, हरियाणा में राजकीय आईटीआई में कार्यरत फैकल्टी 18. कोसली में मेडिकल और इंजीनियरिंग के दाखिले की तेयारी कराने वाले प्रसिद्ध कोचिंग सेंटर, मेडि -जेई कॅरिअर इंस्टिट्युट, डायरेक्टर धर्मेंद्र यादव 19. झाडोदा जिला रेवाड़ी के दीपक सोलंकी प्रो. सोलंकी सेल्स एंड परचेज 20. सोमबीर लांबा धारौली हौंडा कम्पनी मंर कार्यरत 21. सतपाल पुनिया, गिरावड गांव, झज्जर 22. तुम्बाहेड़ी गांव, झज्जर के जोगिंदर सिंह 23. इंजीनियर नवदीप जांगडा मदीना रोहतक निवासी आदि दानियों ने अपनी ईमानदारी व कड़ी मेहनत से कमाया नेक धन से इस कार्य के सफल आयोजन मे सहयोग देकर पुण्य कमाया ।

## रूसी सेना के जनरल की कार धमाके में मौत

एजेंसी

**मॉस्को।** रूस के शहर बालाशिखा में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जब रूसी सेना के जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की कार में बम धमाका हुआ और उनकी मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ मॉस्को पहुंचे थे और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर रहे थे। जनरल मोस्कालिक, रूसी सेना के जनरल स्टाफ के मेन ऑपरेशन्स डायरेक्टोरेट के डिप्टी हेड के पद पर तैनात थे। रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके के लिए वोल्क्सवैगन गोल्फ कार का इस्तेमाल किया गया था। रूस की जांच समिति ने पुष्टि की है कि कार में लगे विस्फोटक एक आईइडी (इम्प्रोवाइज्ड

एक्सप्लोसिव डिवाइस) से तैयार किए गए थे, जिसमें धातु के नुकीले टुकड़े भरे गए थे ताकि मारक क्षमता को बढ़ाया जा सके। जानकारी अनुसार, धमाका उस समय हुआ जब जनरल मोस्कालिक एक इमारत से बाहर निकलकर अपनी कार के पास पहुंचे थे। उस समय वे कार के अंदर नहीं थे। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। लेकिन यह हमला रूस में शीर्ष अधिकारियों को निशाना बनाने की पुरानी घटनाओं से मेल खाता है। पिछले वर्ष दिसंबर में मॉस्को में जनरल इगोर किरिलोव की मौत भी एक बम धमाके में हुई थी, जिसमें एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में विस्फोटक लगाया गया था।

## पहलगाम हमले में हमारा हाथ नहीं, अंतर्राष्ट्रीय जांच करा लें: रक्षा मंत्री

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान डरा हुआ है। लेकिन उसकी हेकड़ी कम होती नजर नहीं आ रहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने कहा कि हम आतंकियों को पिछले 30 सालों से पाल रहे हैं। ये गंदा काम अमेरिका ने हमसे करवाया है, लेकिन पहलगाम हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है, चाहें तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी जांच करा लें। इसके बाद भी भारत हमला करता है तो ये युद्ध विध्वंशकारी होगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने एक साक्षात्कार में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान किसी भी अंतरराष्ट्रीय जांच में सहयोग को तैयार है। उन्होंने भारत पर बिना सबूत कार्रवाई करने का आरोप लगाया और कहा कि यह कदम घरेलू राजनीतिक फायदे के लिए उठाए गए हैं। आसिफ ने कहा, हम इस युद्ध को नहीं भड़काना चाहते क्योंकि इससे पूरे क्षेत्र के लिए आपदा खड़ी हो सकती है। हालांकि, एक अन्य साक्षात्कार में आसिफ ने यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने दशकों तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद से जुड़ा गंदा काम किया है। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक भूल बताया, जिसकी कीमत पाकिस्तान को खुद चुकानी पड़ी। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर आतंकवाद को लेकर तनाव चरम पर है। जहां भारत ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए निर्णायक कदम उठाए हैं, वहीं पाकिस्तान पुरानी रणनीति दोहराते हुए जांच में सहयोग की बात कर रहा है, लेकिन उसके ही मंत्री के परस्पर विरोधी बयानों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

# रणनीतिक रुप से खास बगराम एयरबेस पर अब रुस की नजर

एजेंसी

**मास्को।** अफगानिस्तान में तालिबान से लंबे युद्ध के बाद अमेरिका बगराम एयबेस से हट चुका है। अब यह एयरबेस वैश्विक शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव का कारण बन गया है। एक तरफ पाकिस्तान के रास्ते चीन बगराम एयरबेस पर नजरें जमाए बैठा है, वहीं अब रूस की रणनीति भी खुलकर सामने आ गई है।

यह सच है कि रूस ने धीरे-धीरे अफगानिस्तान में अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दिया है। इसके चलते ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में दो चौंकाने वाले फैसले ले लिए गए हैं। पहला फैसला हमास को रुसी बंधकों की रिहाई के लिए धन्यवाद

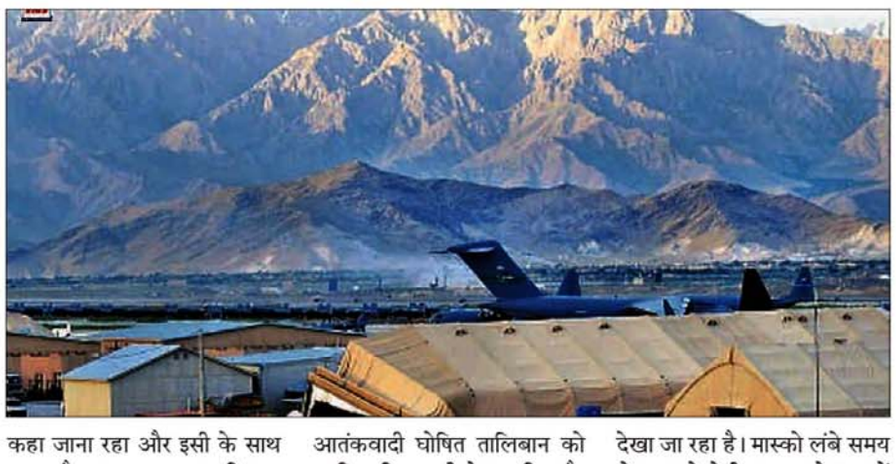

कहा जाना रहा और इसी के साथ दूसरा फैसला रूस का तालिबान को आतंकवादी संगठन मानने से इनकार कर देना है। खबर है कि रूस की सुप्रीम कोर्ट ने 2003 से आतंकवादी घोषित तालिबान को आधिकारिक सूची से हटा दिया है, जिससे तालिबान को एक बड़ी जीत मिली है। रूस के इस कदम को भू-राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। मास्को लंबे समय से खुद को क्षेत्रीय ताकत के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता वापसी के बाद उनके प्रतिनिधिमंडलों ने कई बार रूस का दौरा किया और कई मंचों में भाग भी लिया है। एक तरफ अमेरिका और इजराइल हमास को खत्म करने में जुटे हुए हैं तो दूसरी ओर हमास को लेकर पुतिन का रवैया सॉफ्ट कॉर्नर वाला दिख रहा है, जो चर्चा का विषय बना है। पुतिन ने अक्टूबर 2023 के इजराइल-हमास संघर्ष में अगवा किए गए तीन रूसी नागरिकों की रिहाई पर हमास को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद कहा था। पुतिन ने कहा था कि यह रूस और फलस्तीनी संगठनों के सालों पुराने रिश्तों का परिणाम है। इन सभी घटनाओं के बीच रूस की एक और गतिविधि ध्यान खींच रही है। अफगानिस्तान की सीमा पर रूस और तजाकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास। इन तमाम बदलावों को देखते हुए विशेषज्ञ तो यही कह रहे हैं कि रुस की यह तैयारी दुनिया के सबसे रणनीतिक एयरबेस बगराम एयरबेस को लेकर है। यहां बताते चलें कि यह वही बगराम एयरबेस है जो पहले कभी अमेरिकी सेना का अड्डा हुआ करता था और अब चीन वहां सक्रिय नजर आ रहा है, इसी बीच रूस की नजर इस पर पड़ी है। दरअसल रुस जानता है कि बगराम एयरबेस से चीन, ईरान, भारत, सेंट्रल एशिया और यूरोप तक रणनीतिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। यही वजह है कि रूस इस एयरबेस पर नियंत्रण पाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए तालेबान पर मेहबान होता दिख रहा है।

## पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में गुजरात में प्रदर्शन

एजेंसी

**अहमदाबाद ।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देशभर में गुस्सा है और इस घटना के विरोध में प्रदर्शन कर लोग पाकिस्तान पर बड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आतंकी हमले के खिलाफ गुजरातभर में प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण और अमानवीय आतंकी हमले के विरोध में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद, राजकोट, वलसाड, हिम्मतनगर, पाटन, दांता, वापी, तालोद, प्रांतिज, सुरेंद्रनगर, पाटडी आदि में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। राजपूत समुदाय के नेताओं और राजपूत महिलाओं ने अहमदाबाद के राजपूत भवन में पाकिस्तान मुदार्बाद और आतंकवाद हाय हाय के नारे

लगाए। राजपूत युवकों ने मांग की कि भारत, पाकिस्तान को अपनी ताकत दिखाने के लिए ठीक वैसे ही कदम उठाए जैसे इजरायल ने हमास पर हमला किया था। राजपूत विद्या सभा के अध्यक्ष अश्विन सिंह सरवैया ने कहा कि जब निर्दोष हिंदुओं को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा मारा जा रहा है तो हम चुप कैसे रह सकते हैं। हम राजपूतों ने सदियों से मुगलों जैसे आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और अपने प्राणों की आहुति दी है।

## खास खबर

### हनुमान जी में गहरी आस्था रखते हैं विराट

**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आजकल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) की ओर से आईपीएल में खेल रहे हैं। इसमें अब तक विराट का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। विराट अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ मैदान पर आक्रामक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं पर पिछले कुछ समय से उनमें काफी बदलाव आया है और उनका झुकाव आध्यात्म की ओर हुआ है। विराट के शानदार प्रदर्शन से ही उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ की एक प्रबल दावेदार बनी है। उसे अब रविवार को दिल्ली कैपिल्स से खेलना है। ऐसे में विराट को घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। विराट कोहली जब दिल्ली के लिए रवाना हो रहे थे तो उनकी उनके बैग के स्ट्रैप पर एक छोटी सी मुर्ति भी नजर आयी। यह मूर्ति हनुमान जी की है। बता दें कि विराट की हनुमान जी में गहरी आस्था है। वह हमेशा अपने साथ हनुमान जी की एक मूर्ति अपने साथ रखते हैं, जिससे उन्हें सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। विराट ने स्वयं भी माना है कि जब उन्होंने आधात्म में अपना लगाया है उनमें कई बड़े बदलव हुए हैं।

### ऑरेंज कैप में बदलाव नहीं, शीर्ष 5 में पहुंचे हर्षल

**नई दिल्ली ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मैच के बाद भी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके 417 रन हैं जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली दूसरे व लखनऊ सुपरजायंटस के निकोलस पूरन 377 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैच की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के हर्षल पटेल शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। पर्पल कैप की दौड़ में 16 विकेट लेर प्रसिद्ध कृष्णा शीर्ष पर हैं। वहीं इतने ही विकेट जोश हेजलवुड दूसरे और 14 विकेट लेकर नूर अहमद तीसरे नंबर पर हैं। 13 विकेट लेकर हर्षल पटेल चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं कुलदीप यादव 12 विकेट लेकर पांचवें नंबर पर हैं।

### पावरप्ले में छक्के मारने में अव्वल रही रॉयल्स

**मुम्बई ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में भले ही राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब रहा हो पर पावरप्ले में उसके बल्लेबाज छाये रहे हैं। टूनार्मेंट के शुरूआती ओवरों में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में रॉयल्स ने सभी अन्य टीमों को पीछे छोड़ दिया है। रॉयल्स ने पावरप्ले में कुल 37 छक्के लगाये हैं, जो इस सीजन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। राजस्थान रॉयल्स के पावरप्ले में आगे रहने का श्रेय उनके सलामी बल्लेबाजों खासकर यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन व रियान पराग को जाता है। सैमसन के बाहर होने पर टीम के लिए यशस्वी जयसवाल ने अहम भूमिका निभाते हुए 9 मैचों में 356 रन बनाये हैं। वहीं दूसरे स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआ) है, जिसने 29 छक्के लगाये हैं। वहीं मुम्बई इंडियंस 26 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर है, जबकि पंजाब किंग्स 25 छक्के लगाकर चौथे स्थान पर है।

# महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोलंबो में महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां खासतौर पर गेंदबाजी संयोजन को परखने पर जोर रहेगा। बल्लेबाजी विभाग फिलहाल काफी संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है। भारतीय टीम इस

समय तेज गेंदबाजी संसाधनों की चुनौती से जूझ रही है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तीतास साधु चोटिल हैं, जिससे टीम को अरुंधति रेड्डी और ऑलराउंडर अमनजोत कौर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तेज गेंदबाजों के सीमित विकल्पों के बीच कप्तान हरमनप्रीत कौर युवा तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी मौका देकर परखना चाहेंगी। काश्वी ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ मैचों में 6.45 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट झटके थे। उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक संकेत है। प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिचों को देखते हुए भारतीय टीम का भरोसा स्पिनरों पर होगा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ मुंबई इंडियंस की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी 50 ओवरों में से 30 ओवर तक गेंदबाजी कर सकती हैं। ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी जरूरत पड़ने पर अपने ऑफ ब्रेक से गेंदबाजी आक्रमण को विविधता दे सकती हैं। टीम की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, भरोसेमंद जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता और आक्रामकता दोनों प्रदान करते हैं।

## ड्रैग फ्लिक ताइकेमा दे रहे भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी टीम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं। हरेंद्र ने कहा, ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था।

## धोनी ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

एजेंसी

**बेंगलुरु।** चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार पर निराशा जाहिर करते हुए कहा है कि टीम बल्लेबाजों के विफल होने के कारण हारी है। धोनी ने माना है कि उनके बल्लेबाज हालात का लाभ नहीं उठा पाये। उन्होंने कहा कि टीम ने 15 से 20 रन कम बनाए हैं। इस मैच में सीएसके टीम ने 19.5 ओवर में 154 रन बनाये। . उसकी ओर से पहली बार खेल रहे डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में चार छक्कों और एक चौके की सहायता से सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी 19

गेंद में छह चौके लगाककर 30 रन बनाये। . इन दोनों के अलावा दीपक हुड्डा और रविंद्र जडेजा 20 से 21 रन बना पाये। धोनी ने माना है कि उनकी टीम हालात का लाभ नहीं उठा पाई। उन्होंने कहा, ह्यमुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। साथ ही कहा कि पहली पारी में विकेट अच्छा बेहतर था। ऐसे में हमारा 154 रन का उचित पर्याप्त नहीं था। गेंद बहुत अधिक टर्न नहीं कर रही थी और कुछ भी असामान्य नहीं था। हां, दूसरी पारी में थोड़ी सहायता मिली। हमारे स्पिनर, गुणवत्ता वाले थे और वे सही क्षेत्रों में गेंदबाजी कर रहे थे पर हम 15-20 रन कम बना पाए।ह्व धोनी ने पदार्पण मैच में ही अच्छी पारी खेलने वाले डेवाल्ट ब्रेविस की भी सराहना की हैं। धोनी ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की। हमें मध्य क्रम में ऐसी बल्लेबाजी की जरूरत थी। जब स्पिनर आते हैं तो आप या तो अपनी बल्लेबाजी से या सही क्षेत्रों को चुनकर रन बनाते हैं पर यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सुधार करना चाहते हैं क्योंकि मध्य ओवर महत्वपूर्ण होते हैं।

## स्पिनरों के सामने संघर्ष कर रहे जडेजा

एजेंसी

**चेन्नई ।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ पांच विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में जहां सीएसके के सभी बल्लेबाज तेज गेंदबाजों पर आउट हुए, वहीं ऑलराउंडर रविन्द्र जडेज स्पिनर का शिकार बने। इससे एक बार फिर जडेज की स्पिनरों के खिलाफ कमजोर सामने आ गयी है। जडेजा को श्रीलंकाई स्पिनर कामिंदु मेंडिस ने आउट किया। जडेजा ने 17 गेंदों पर 21 रन बनाये। जडेजा आईपीएल 2018 के बाद से ही को स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते

आये है। जडेजा ने इस दौरान 53 पारियां खेली हैं और वह 9 बार स्पिनर की गेंद पर आउट हुए। इस दौरान उनका औसत भी केवल 21.22 रहा है। जडेजा हर प्रकार की स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते रहे हैं। ऑफ स्पिन और चाइनामैन गेंदबाजी के खिलाफ उनका प्रदर्शन और भी कमजोर है रहा है। इसमें उनका औसत क्रमशः 13.75 और 17.00 का ही रहा है। जडेजा ने आईपीएल 2018 के बाद से ही 39 पारियों में 32.50 की औसत से रन बनाए हैं पर उनका स्ट्राइक रेट 101.56 का ही रहा है। स्पिनर के खिलाफ उनके खराब प्रदर्शन से सीएसके को भी नुकसान हो रहा है। इसी कारण पांच बार की विजेता सीएसके इस बार अंतिम स्थान पर रही है। आईपीएल 2018 से अब तक के आंकड़ों की बात करें तो स्वयं महेंद्र सिंह धोनी भी स्पिनरों के सामने आसानी से रन नहीं बना पाये हैं।

## आईपीएल सबसे अधिक शून्य पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं रोहित

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल पहले नंबर पर हैं। मैक्सवेल 140 मैच की 134 पारियों में सबसे अधिक 19 बार शून्य पर आउट हुए हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। रोहित रोहित 265 मैच की 260 पारियों में 18 बार शून्य पर आउट हुए। हालांकि, रोहित इस सत्र में शुरूआती असफलता के बाद फॉर्म में लौट आए है। उन्होंने पिछली दो पारियों में अर्धशतक भी लगाये हैं।

रोहित ने पिछली दो पारियों की बात करें तो उन्होंने पहले सीएसके और फिर सनराजर्स हैदराबाद के

खिलाफ लगातार अर्धशतक लगाये। रोहित के हैदराबाद के खिलाफ रोहित ने 70 रनों की पारी खेली। पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 3 लंबे छक्के भी लगाये। रोहित की इस शानदार पारी रि बल पर मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया है। रोहित ने इस सत्र में सीएसके के सामने टूनार्मेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था।

### इस सत्र में असफल रहे हैं सीएसके के हुड्डा

**चेन्नई ।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज दीपक हुड्डा इस आईपीएल सत्र में असफल रहे हैं और ऐसे में अब उनकी टीम में जगह खतरे में नजर आ रही है। हुड्डा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में भी 21 गेंद में 22 रन ही बना पाये। इस दौरान वह केवल एक छक्का और एक चौका लगा पाये। हुड्डा 13वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 7.1 ओवर तक खेले पर इसके बाद भी वह सीएसके को अच्छे स्कोर तक नहीं पहुंचा पाये। उन्हें पांच बार की चैंपियन सीएसके ने पिछले साल मेगा नीलामी में 1.7 करोड़ रुपये में खरीदा था। हुड्डा ने लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से आईपीएल 2024 में नौ पारियों में 145 रन बनाए थे।

## मैड्रिड ओपन : सबालेंका ने जीत के साथ की शुरूआत

- ज्वेरेव चमके, ओंस जबूर बाहर
- सबालेंका ने ब्लिंकोवा को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी

**मैड्रिड।** वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरूआत शानदार अंदाज में की। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे दौर में रूस की अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। सबालेंका की यह इस टूनार्मेंट में कुल 18वीं जीत रही, जबकि उन्हें सिर्फ 4 बार हार मिली है। वह 2021 और 2023 में यह खिताब जीत चुकी हैं और पिछले साल स्वियातेक के खिलाफ उपविजेता रही थीं। मैच की शुरूआत में ही सबालेंका ने

5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवाया, लेकिन 48वें मिनट में तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें उन्होंने शुरूआती ब्रेक के बाद बढ़त बनाए रखी। अब तीसरे दौर में उनका सामना एलिस मर्टेंस या कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा। हालांकि सबालेंका के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर आए हैं, लेकिन उन्होंने क्ले कोर्ट पर भी दो फाइनल जीतकर अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां वह 2023 में सेमीफाइनल और 2024 में क्वार्टरफाइनल में हार गई थीं। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं रोलां गैरोज जाती हूं, तो यह एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे ऐसी चुनौतियां पसंद हैं। उम्मीद है कि एक दिन वह खूबसूरत ट्रॉफी मेरी कलेक्शन में होगी। 2022 की चैंपियन ट्यूनीशिया की ओंस जबूर पहले ही दौर में जापान की मोयुका उचिजिमा से 4-6, 6-3, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। वहीं ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 29वीं सीड माग्दा लिनेट को 7-6(5), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 32 विनर्स लगाए और सिर्फ 24 अनफोर्स्ड एरर किए। दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने कहा, यह कोर्ट मेरी फेवरेट सेंटर कोर्ट है। मैंने यहां पूरी जिंदगी में सिर्फ दो मैच हारे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा।

## आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने शमी

एजेंसी

**चेन्नई ।** सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच की पहली ही गेंद पर शेख रशीद को आउट कर एक अहम रिकार्ड बनाया है। अब शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। शमी ने आईपीएल इतिहास में चौथी बार पारी की पहली गेंद पर ही विकेट लिया है। शमी इससे पहले जैक्स कैलिस को दुबई, 2014 में जबकि केएल राहुल को वानखेड़े, 2022 में व फिल सॉल्ट को अहमदाबाद 2023 के अलावा शेख रशीद को चेन्नई 2025 में पहली ही गेंद पर शिकार बनाया।

वहीं साल 2024 में शमी चोट के कारण आईपीएल खेल नहीं पाए थे। इसके अलावा कई अन्य रिकार्ड भी शमी के नाम हैं। इसमें आईपीएल 2023 में शमी ने पावरप्ले में 17 विकेट लिए, जो एक सत्र में किसी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट हैं। इस दौरान उन्होंने ट्रेंट बोल्ट और मिचेल जॉनसन के रिकॉर्ड को तोड़ा। पर्पल कैप विजेता : 2023 में शमी ने 17 मैचों में 28 विकेट लेकर पर्पल कैप जीती थी।

शमी ने 2022 में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया जब उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सभी 16 मैच खेले पर पूरे सीजन में एक भी बार बल्लेबाजी नहीं की, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार हुआ है।सत्र की पहली और अंतिम गेंद पर विकेट आईपीएल 2022 में शमी ने सीजन की पहली गेंद पर केएल राहुल और अंतिम गेंद पर रियान पराग को आउट किया।

## पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार के क्रिकेट संबंध नहीं रखे भारत : गांगुली

एजेंसी

**कोलकाता ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि पाकिस्तान से क्रिकेट संबंध पूरी तरह से समाप्त कर देने चाहिये। भारतीय टीम पिछले एक दशक से ज्यादा समय से पाक के साथ केवल आईसीसी इवेंट्स या एशिया कप में ही खेलती रही है पर गांगुली का माना है कि भारत को किसी भी स्तर पर पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिए। गांगुली ने कहा, पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार से

संबंध तोड़ना जरुरी है। अब सख्त कार्रवाई के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह कोई मजाक नहीं है। ऐसी चीजें अलग-अलग प्रकार से हर साल हो रही हैं। आतंकवाद को सहन नहीं किया जा सकता। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण ही भारतीय टीम ने साल 2008 के बाद से पाक का दौरा नहीं किया है। पाकिस्तान में भारत ने अंतिम बार एशिया कप में हिस्सा लिया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच 2012-13 में आखिरी बार द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। हाल ही में आयोजित हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले भी भारतीय टीम ने दुबई में खेले थे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने साल 2024-27 चक्र में सभी आईसीसी आयोजनों के लिए हाइब्रिड मॉडल पर फैसाल लिया है।

# कोपा डेल रे फाइन : रियल को तीसरी शर्मनाक हार देने उतरेगी बार्सिलोना

- सेविला में होगा महामुकाबला

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कोपा डेल रे 2025 का फाइनल मुकाबला शनिवार को (भारतीय समयानुसार रविवार) फुटबॉल की दो सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों–बार्सिलोना और रियल मैड्रिड–के बीच खेला जाएगा। शानदार फॉर्म में चल रही बार्सिलोना जहां सीजन में रियल को तीसरी बार हराने का सपना देख रही है, वहीं संघर्ष कर रही रियल मैड्रिड की नजर एक ट्रॉफीलेस सीजन से बचने और प्रतिष्ठा बचाने पर होगी। बार्सिलोना ने इस सीजन में रियल मैड्रिड को दो बड़े मुकाबलों में करारी शिकस्त दी है। अक्टूबर में ला लीगा के तहत सैंटियागो बर्नब्यू

स्टेडियम में 4-0 की जीत और जनवरी में सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 से रियल को हराकर बार्सा ने अपना दबदबा साफ कर दिया है। दोनों टीमें सेविला के प्रतिष्ठित ला कातूर्जा स्टेडियम में कोपा डेल रे फाइनल के लिए भिड़ेंगी। यह आठवीं बार होगा जब बार्सिलोना और रियल मैड्रिड इस टूनार्मेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी। अब तक के सात फाइनल में रियल ने चार और बार्सिलोना ने तीन बार जीत हासिल की है।2011 में जोसे मोरिन्हो की कोचिंग में रियल मैड्रिड ने 18 साल के लंबे इंतजार के बाद बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम में 1-0 से हराकर ट्रॉफी जीती थी, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो का हेडर गोल ऐतिहासिक बन गया। 2014 का फाइनल भी किसी रोमांचक फिल्म से कम नहीं था, जब गैरेथ बेल ने बाएं किनारे से करीब 50 मीटर की दौड़ लगाकर शानदार गोल दागा और अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई। रियल मैड्रिड ने कोपा डेल रे खिताब 1936, 1975, 2011 और 2014 में जीता है, जबकि बार्सिलोना ने 1968, 1983 और 1990 में ट्रॉफी अपने नाम की है। बार्सिलोना अब तक 31 बार कोपा डेल रे जीत चुकी है, जो कि एक रिकॉर्ड है। एथलेटिक बिलबाओ के नाम 24 खिताब हैं जबकि रियल मैड्रिड 20 के साथ तीसरे स्थान पर है।

हालांकि दोनों टीमें अब तक कुल 18 बार किसी न किसी फाइनल में एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये दोनों यूरोपीय दिग्गज अभी तक कभी भी यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में आमने-सामने नहीं आए हैं।

रियल मैड्रिड ने अब तक बार्सिलोना के मुकाबले फाइनल्स में 11 बार जीत दर्ज की है– जिनमें चार कोपा डेल रे और सात स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जबकि बार्सिलोना ने कुल सात फाइनल्स में जीत दर्ज की है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या बार्सिलोना इस बार फिर रियल मैड्रिड को पटखनी देकर सीजन का ताज अपने नाम करेगी या रियल मैड्रिड वापसी करते हुए ट्रॉफीलेस सीजन से खुद को बचा पाएगी।

मैड्रिड में अनासटेनिय पोपोवा टेनिस मुकाबले में खेलती हुई।

# इन कारणों से फैसला नहीं ले पाते

**फैसला छोटा** हो या बड़ा। हमारा हर फैसला हमारे जीवन को प्रभावित करता है। फिर चाहे वह कॅरिअर सम्बंधी हो या विवाह सम्बंधी। किस स्कूल में जाना है से लेकर मिली नौकरी, मौजूदा नौकरी से बेहतर है या नहीं। इस तरह के सैकड़ों फैसले हमें करने होते हैं। जो लोग आत्मविश्वास से भरे होते हैं, उन्हें इस तरह के फैसलों में अटकन महसूस नहीं होती। अटकन उन्हें होती है जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। दरअसल हम अकसर कुछ खोने से या हारने से डरते हैं। हमें हर जगह का लोभ होता है, हर जगह की चाह होती है। जबकि हमें इस तथ्य को स्वीकारना चाहिए कि जीवन के हर मोड़ पर विकल्प होते हैं और उन्हीं में से बेहतर को हमें चुनना होता है। कई बार लिए हुए फैसले के चलते कुछ खोना भी पड़ सकता है। कुछ हारों का सामना भी करना होता है। आखिर जीवन इसी का नाम है। ऐसे में भला कुछ खोने से या हारने से डर कैसा। जरूरी है कि मजबूत इरादा रखें और विकल्पों में बेहतर विकल्प को चुनने में सामर्थ्य बनें।

## कमजोर विकास

इस दौड़ भाग भरी जिंदगी में कमजोरी की जगह ही नहीं बनी है। बावजूद इसके सबमें कुछ न कुछ कमजोरियां हैं, खामियां हैं। हम अपनी कमजोरियों से भाग नहीं सकते। जरूरी यह है कि हम उसका सामना करें। अब जरा सोचें कि आपको अपने लिए भावुक या व्यवहारिक पार्टनर में किसी एक को चुनना है तो आप क्या करेंगे? ऐसी स्थिति में अकसर लोग एक ही व्यक्ति में पूरा पैकेज तलाशने की कोशिश करते हैं। लेकिन माफ कीजिएगा! कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। पूर्णता की हमारी चाहत हमें अकसर कमजोर विकास की ओर धकेल देती है। परिणामस्वरूप हम इस तरह के फैसले लेने में न सिर्फ असमंजस में पड़ जाते हैं बल्कि दूसरे विकल्प को खोने से आहत भी महसूस करते हैं।

## खोए हुए के लिए अफसोस

आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि जो चीज हमें नहीं मिलती, वही बेहतर लगती है। ...और चूंकि वह चीज नहीं मिली है, उसके लिए अफसोस के गर्त में चले जाते हैं। मिली हुई चीज की कद्र नहीं होती। हकीकत यह है जिंदगी में हुए बदलावों को हम आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते। जबकि बदलाव हमेशा सकारात्मक होते हैं। कहा भी जाता है कि परिवर्तन एकमात्र स्थिर है। बाकी सब अस्थिर होता है। बहरहाल जीवन में हुए बदलावों के चलते हम फैसले लेने में हिचक महसूस करने लगते हैं। अपना मूल्यांकन करने लगते हैं। जबकि अपना आलोचक होना नकारात्मकता की निशानी है।

परंपरागंत रूप से स्त्रियों का स्वास्थ्य एक उपेक्षित मुद्दा रहा है, विशेषकर भारत में। औरतें एक बहन, मां और पत्नी के तौर पर अपने पारिवारिक सदस्यों की देखभाल करती हैं, लेकिन अब यह स्थिति बदल रही है। अब लोगों में पहले से अधिक जागरूकता है।

# महिलाओं के लिए स्वस्थ रहने के टिप्स

**आज औरतें भी अपने स्वास्थ्य की समस्याओं के प्रति जागरूक हो चुकी हैं, जोकि बेहद जरूरी भी है। तो चलिये जानें कि महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। खुद के स्वास्थ्य को संभालते हुए एक परिवार में औरतों की भूमिका औरतें, पुरुषों के मुकाबले स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में अधिक लचर रहती हैं। फिर चाहे खुद के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो या अपने परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो, या एक नियमित अंतराल पर निरीक्षण के लिए चिकित्सक के पास जाना हो या फिर सही खुराक और दवा उपचार का अनुसरण करना हो। आज के युग में औरतों को अपने घर और बाहर, दोनों जगह कई काम निपटाने होते हैं, जिसके कारण उनके ऊपर अत्यधिक तनाव का बोझ रहता है। हर दिन के तनाव के अलावा, औरतों का शरीर गर्भावस्था, प्रसव और मेनोपॉज जैसे बदलावों से भी होकर गुजरता है। शरीर में आये इन सारे बदलावों की वजह से एक स्त्री का शरीर कमजोर बन जाता है और उसके व्यवहार में भी कई बदलाव आते हैं। ब्रेस्ट कैंसर, सर्विकल कैंसर, हृदय रोग और प्रजनन तंत्र संबंधी बीमारियों से भी औरतों को जूझना पड़ सकता है।**

## महिलाएं और हार्मोन

महिलाएं अपने जीवन में ऐसे अनेक चरणों से होकर गुजरती है, जहां पर वह अपने शरीर में प्राकृतिक तौर पर होने वाले हार्मोनल बदलावों का अनुभव करती हैं। हार्मोनल बदलाव यौवन, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान उत्पन्न होते हैं, जिसके कारण महिलाओं में मूड बदलना और अवसाद जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि स्त्रियों को उसके जीवन में प्राकृतिक रूप से विभिन्न चरणों में आने वाले हार्मोनल बदलावों के बारे में पहले से ही जानकारी हो, जिससे कि उसे इन चरणों का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिले।

## प्यूबर्टी (यौवन) के चरण

प्यूबर्टी (यौवन) के चरण के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव धीरे-धीरे उत्पन्न होते हैं, इन बदलावों का महिला के शरीर पर साकार और स्थाई परिणाम नजर आते हैं। जीवन के इस बिंदु पर होने वाले बदलाव ब्रेस्ट का विकास, निजी स्थानों में बालों का विकास और कद का विकास आदि के रूप में नजर आते हैं। मासिक धर्म की प्रक्रिया भी इसी चरम में आरम्भ होती है। शरीर में उत्पन्न होने वाले बदलाव करीब तीन से चार वर्षों की अवधि तक नजर आते हैं और इस दौरान एक कन्या अनेक परिवर्तनशील मनोभावों से होकर गुजरती है। एक कन्या को अपने लगातार बदलते शरीर रूबरू होना पड़ता है, वह खुद के लिंगभेद के बारे में सचेत हो जाती है। साथ ही फर्टिलिटी के उत्पन्न होने की वजह से कन्या मानसिक रूप से बेहद संवेदनशील और चकित हो जाती है। इस चरण में पीयूष ग्रंथि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह शरीर और प्रजनन संबंधी अंगों के विकास के लिए शरीर में हार्मोनों के निर्माण में मदद करती है।

# चाय और कॉफी पीने से पीले होते हैं दांत...

एक दमकमती मुस्कुराहट आपकी खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। और एक स्वस्थ मुस्कुराहट के लिए जरूरी है, स्वस्थ और चमकते दांत। लेकिन, चाय और कॉफी का सेवन आपके दांतों पर पीलेपन की परत चढ़ा देता है। आइए जानें कैसे आप अपने चाय और कॉफी के शौक के साथ चमचमाते दांत भी पा सकते हैं।

## चाय कॉफी के बिना रहना मुश्किल

आप चाय या कॉफी के बिना नहीं रह सकते। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक आप दिन में कई बार चाय और कॉफी का सेवन करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जो चाय अथवा कॉफी आप अपनी थकान उतारने के मकसद से लेते हैं, उसका आपके दांतों पर कितना बुरा असर पड़ता है। चाय और कॉफी में टॅन्निक एसिट होता है। यह एसिड गाढ़ा रंग बनाने में उपयोग होता है। यह एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाकर दांतों को भूरा रंग दे सकता है।

## चाय पीने के बाद करें दांतों को साफ

मुश्किल यह है कि आप चाय और कॉफी का सेवन छोड़ नहीं सकते। इसके बिना शायद आपका काम करना भी मुहाल हो जाये, लेकिन दांतों पर इसका असर कम करने के प्रयास तो किये ही जा सकते हैं। सबसे पहले आप यह कीजिये कि चाय और कॉफी पीने के बाद अपने दांतों को साफ कीजिये। अगर आप आइस कॉफी या टी पीना पसंद करते हैं, तो अच्छा रहेगा कि इनके सेवन के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल करें। इससे चाय मुंह के अगले दांतों को नहीं छुएगी। हां इससे आपके पिछले दांत तो पीले हो सकते हैं, लेकिन आगे के दांत चमकते रहेंगे। अगर फिर भी आपके दांतों का पीलापन दूर नहीं होता है, तो आप डॉक्टर की मदद ले सकते हैं।

# बिना जिम के कैसे रखें खुद को फिट ?

देखा जाए तो सभी का शरीर अच्छा ही होता है। केवल आपको अपने शरीर को जानकार उसे स्वस्थ रखना है। जब मानसिक स्थिरता रहेगी तब शरीर स्वस्थ रहेगा और तभी आप बनेगे फिट। अब फिट बनना आसान हो गया है। हर गली नुक्कड़ पर जिम खुले हैं। लेकिन शमय की सम्सया रहती है। ऐसे में घर, दफ्तर में भी आप कुछ व्यायाम करके रह सकते है।

## व्यायाम

सबसे पहले चलना, फिर जॉगिंग करते हुए सुबह के व्यायाम शुरू करना चाहिए। अगर आपको समय ही नहीं मिलता तो नौकरी पर जाते आते समय ऑटोरिक्सा करने से बेहतर थोड़ा चलना भी लाभकर साबित होता है। किसी भी जगह 1 घंटे के ऊपर ना बैठे। बीच बीच में थोड़ा चलना आवस्यक है। चलने फिरने के अलावा आप योगा भी कही पर भी कर सकते है। कुछ गीने चुने आसन को छोड़ कई ऐसे योग है जो आप घर, सफर, दफ्तर कही पर भी कर सकते है। खास कर के प्राणायाम, अवलोम विलोम इनसे आपको ताजगी महसूस होने लगेगी। जब भी कोई व्यायाम आप करे तो शारीर के उस भाग पर पड़ने वाले दाब को अच्छे से महसूस करे।

## खान पान

शारीरिक और मानसिक संतुलन खान पान से शुरू होता है। सब से पहले तो आपको 12 से 15 ग्लास लिक्विड पुरे दिन भर में लेना चाहिए। इसमें पानी, फल का रस, छाछ, ग्रीन टी और सूप जैसे हेल्दी ड्रिंक्स ले सकते है। जो खाना आपको बहुत पसंद है मगर डायट के मुताबिक न हो, उससे आप मोटे हो सकते है। तो वो खाना आप नास्ते में नहीं खा सकते है। जैसे की चावल, आलू की सब्जियां न खाए। इससे आप मोटे हो सकते है। अंकुरित दाने, और फ्रुट्स खाए। मधुमेह हो तो ब्राउन राईस / लापसी, दलीय का इस्तमाल करे।

# खुशनुमा स्वभाव बीमारियों को रखें दूर

आए दिन बीमारियां बढ़ रही है। ऐसा कोई इंसान नहीं जिसे किसी बिमारी ने गले नहीं लगाया होगा। पहले जमाने में बहुत कम बीमारियां होती थी। मधुमेह और हायपर टेंशन जैसे बीमारियां तब केवल अमीर लोगो को होती थी। उस समय लोगो की उम्र भी अधिक और तंदरुस्त रहती थी। अब ऐसा क्या हुआ है, जिस कारण लोग हर कोई बीमारियों के चपेट में आ रहा है। जब्कि आज के जमाने में सारी सुविधाए मौजूद है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों पर इलाज है। दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक हो जाऐ, लेकिन अगर आपको बीमारियों से दूर रहना है तो स्ट्रेस को दूर रखना होगा। अधिक बड़ी बीमारियों का कारण स्ट्रेस है, जो शरीर और मानसीक रोगों को आमंत्रण देता है।

**स्ट्रेस होने का कारण? :** सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि जीवन शैली बदल गई है। जीवन में दौड़ भाग बड़ गई है, यह एक बड़ी वजह है अनचाहे तरीके से स्ट्रेस धीरे धीरे बीमारी का रूप लेता है। ये उपाय करके स्ट्रेस कम किया जा सकता है। जो कि फिजियोलॉजी स्ट्रेस से जुड़ा है। स्ट्रेस यानी तनाव जो शरीर और दिमाग दोनों पर बराबर अपनी बिमारियों का जाल डालता है। तनाव से कौन सी बीमारियां होती है?

**हायपरटेंशन:** तनाव में रक्तचाप पर सीधा असर पड़ता है। रक्तचाप या तो बेहद कम हो सकता है, या फिर अधिक। जिससे दिल का दौरा पड़ना स्वभाविक है। हायपरटेंशन में मशतिष्क पर भी असर होता है और वहा की बेहद नाजुक नसो के फटने से ज्यादा तर खतरा होता है।

**मधुमेह (डैबेटिस):** जीवन में तनाव इतना बड़ गया है कि इसका असर सबके जीवन पर हो रहा है। परिणाम अधिक मीठे से नहीं बलकी ज्यादा तनाव के कारण मधुमेह बड़ गया है।

**महिलाओं पर तनाव का अधिक असर:** महिलाएं ज्यादा भावुक और शारीरिक रूप से पुरुषों के मुकाबले कमजोर होती है। इस लिए तनाव का असर महिलाओं पर तुरंत होता है। मेंस्ट्राल और मेनो पोझल से गुजरना पड़ता है। मेंस्ट्राल में मासिक चक्र गड़बड़ा जता है साथ में खून अधिक बहने के आसार होते है। मेनो पोझल में मासिक चक्र बंद होता है और तनाव के चलते कभी 10 से 15 दिन खून का बहाव हो सकता है। पूरी तरह बंद होने पर भी स्ट्रेस के असर इससे शुरू में निर्माण होते है।

**स्ट्रेस क्यों बढ़ रहा है?:** पहले जमाने में अधिक काम लोग खुद करते थे। उस वक्त तो बहुत काम रहता था क्यों कि सबके बड़े परिवार होते थे। शारीरिक मेहनत ज्यादा होती थी क्योंकि वाहन कम थे, खेतों में अधिक काम होता था। खाना पीना एकदम सादा और सेहत से भरपूर रहता था। लेकिन जैसे जैसे जमाना बदल रहा है, वैसे जीवन शैली में काफी बदलाव आए है। सारी सुविधाए होने के कारण लोगो की शारीरिक गतविधियां कम हो गई है। साथ में अधिक भाग दौड़ के कारण परिवार को वक्त नहीं दे पा रहे। काम का बोझ के चलते तनाव कुछ ज्यादा ही बड़ गया है और आज के जीवन का वह एक अंग बन गया है।

**तनाव को दूर कैसे रखे?:** अगर दिनचर्या पूरी टाईट है। तो कम से कम एक वक्त परिवार के साथ मिल बैठकर खाना खाऐं। छुट्टी के दिन परिवार के साथ घर का थोड़ा काम करे। गार्डेनिंग एक सबसे मजेदार काम है, इसे भी आप कर सकते है। गुस्सा जब भी आए उसे सर पर ना चढ़ने दे।

## जरूरतमंद की मदद करती आईं नजर...

**मुंबई।** वरुण धवन की भतीजी अभिनेत्री अंजिनी धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक जरूरतमंद की मदद करती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री एक व्यक्ति कुछ पैसे मांगता है, जिसके बाद अभिनेत्री कार में बैठते हुए उससे पूछती हैं, "गूगल पे है?" इसके बाद वह अपना नंबर बताता है और वह उसे पैसे ट्रांसफर करती हैं। अंजिनी के इस वीडियो ने सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया वह अभिनेत्री की प्रशंसा कर रहे हैं। हालांकि, कुछ यूजर्स ने उन्हें ट्रोल भी किया। अंजिनी धवन के इस काम की तारीफ करते हुए एक यूजर ने लिखा, बच्ची क्यूट है.. बाकी स्टार किड्स के मुकाबले तो। एक और यूजर ने लिखा, मैं ऐसी ही लड़की से शादी करना चाहूंगा।

### 1955 में आई 'देवदास' में चुन्नी बाबू का किरदार निभाकर पाई पॉपुलैरिटी

# बॉलीवुड के पहले नेचुरल एक्टर, रईसी के थे खूब चर्चे, लोग कहते थे ट्रेजेडी किंग

*नई दिल्ली। बीते जमाने के बेहतरीन एक्टर मोतीलाल ने करीब तीन दशक तक हिंदी फिल्मों में काम किया। इस दौरान उन्होंने करीब 60 फिल्में कीं। 1955 में आई फिल्म 'देवदास' में उन्होंने चुन्नी बाबू का किरदार निभाकर पॉपुलैरिटी पाई। बेहतरीन एक्टिंग के कारण उन्हें हिंदी फिल्मों का पहला नेचुरल एक्टर कहा गया। मोतीलाल नेवी में भर्ती होने के लिए बॉम्बे आए थे, किस्मत ने उन्हें सिनेमा एक्टर बना दिया। 1940 में आई फिल्म 'अछूत' में उन्होंने अछूत व्यक्ति के किरदार को पर्दे पर जीवंत कर दिया। महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी उनकी तारीफ की। वह अपनी स्टाइल और निजी जिंदगी की वजह से ही चर्चा में रहे। रईस खानदान से ताल्लुक रखने वाले मोतीलाल अपने अंतिम समय में पाई-पाई के लिए मोहताज हो गए थे। उस दौर में एक्ट्रेस शोभना समर्थ के साथ उनकी लव स्टोरी खूब चर्चा में रही।*

### नेवी छोड़ कर सिनेमा में हुए थे भर्ती

मोतीलाल का जन्म 4 दिसंबर 1910 को शिमला में एक एजुकेशनिस्ट के घर हुआ। हालांकि, वह एक साल के थे तभी उनके पिता की मौत हो गई। मोतीलाल को उनके चाचा ने पाल-पोसकर बड़ा किया, जो दिल्ली में मशहूर सर्जन थे। शुरुआती पढ़ाई शिमला में करने के बाद उन्होंने दिल्ली से स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह बॉम्बे आ गए। यहां वो आए तो नेवी जॉइन करने के लिए थे, लेकिन ऐन वक्त पर इतना बीमार पड़ गए और टेस्ट में शामिल नहीं हो पाए। एक दिन वो बॉम्बे के सागर स्टूडियो में शूट देखने पहुंचे। फिल्म के डायरेक्टर केपी घोष थे, जो कि सागर प्रोडक्शन कंपनी के मालिक थे। केपी की नजर जब मोतीलाल पर पड़ी तो उनकी पर्सनालिटी से वे इम्प्रेस हो गए। उन्होंने तुरंत उन्हें फिल्म ऑफर कर दी। तब उनकी उम्र 24 साल थी। उन्होंने फिल्म 'शहर का जादू' से सिनेमा में डेब्यू किया।

### अछूत व्यक्ति का किरदार निभाकर किया चकित

एक्टिंग के बारे में तब वह कुछ नहीं जानते थे , लेकिन फिल्म रिलीज हुई तब उनकी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया। फिर उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिले।1934 में उनकी अगली फिल्म वतन परस्त आई। इसके बाद सिल्वर किंग, डॉक्टर मधुरिका, दो घड़ी की मौज, लग्न बंधन, जीवन लता, दो दीवाने, दिलावर, कोकिला, कुलवधू जागीरदार जैसी कई फिल्मों में दिखाई दिए। 1940 में आई फिल्म 'अछूत' में मोतीलाल ने एक अछूत व्यक्ति का किरदार निभाकर सबको चकित कर दिया। महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल ने भी उनकी एक्टिंग की तारीफ की। इस फिल्म के बाद मोतीलाल का नाम फिल्म इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हो गए।

**इन एक्ट्रेसेज से था अफेयर :** मोतीलाल से उस दौर की एक्ट्रेसेस काफी इम्प्रेस रहती थीं। उस दौर में दो एक्ट्रेसेस से उनका नाम जुड़ा। वो थीं शोभना समर्थ और नादिरा। नादिरा के साथ मोतीलाल कुछ समय तक रहे, लेकिन जल्द ही दोनों का ब्रेकअप हो गया। बाद मोतीलाल शोभना समर्थ के करीब आए। दोनों की मुलाकात फिल्मों में काम करने के दौरान हुई। शोभना उस जमाने की दिग्गज अभिनेत्री थीं। जब मोतीलाल से वह मिली तो पहले से वह शादीशुदा और चार बच्चों की मां थीं। शोभना की शादी कुमारसेन समर्थ से हुई थी, जिनसे उनके रिश्ते ठीक नहीं थे। शोभना समर्थ तनुजा की मां और काजोल की नानी थीं। शोभना मोतीलाल को दोस्त मानती थीं, लेकिन वह उनसे एकतरफा प्यार करते थे। बाद में शोभना की शादी टूट गई। मोतीलाल ने उन्हें प्रपोज किया। उन्होंने मोतीलाल से शादी नहीं की, लेकिन उनकी नजदीकियां हमेशा चर्चा में रहीं।

**तंगहाली में गुजरा अंतिम समय :** मोतीलाल को शराब और जुए की लत थी। शराब पीने की वजह से 1960 के आसपास मोतीलाल की तबीयत खराब रहने लगी, जिसके चलते उन्होंने फिल्मों में काम करना कम कर दिया। उन्हें तीन हार्टअटैक आ चुके थे। बाद में वह एक्टिंग छोड़कर स्क्रिप्ट राइटिंग, डायरेक्शन और प्रोडक्शन का काम करने लगे। उन्होंने फिल्म 'छोटी छोटी बातें' लिखीं, प्रोड्यूस और डायरेक्ट की। हालांकि, रिलीज से पहले ही वो चल बसे। इस फिल्म के लिए उन्हें मरणोपरांत दो नेशनल अवॉर्ड दिया गया।

### हिंदी सिनेमा का पहला नेचुरल एक्टर

मोतीलाल अपने किरदार को इतने नेचुरल तरीके से पर्दे पर निभाते थे कि वो एक्टिंग लगती ही नहीं थी। उन्हें हिंदी फिल्मों का पहला नेचुरल एक्टर कहा गया। 1955 में आई दिलीप कुमार स्टारर 'देवदास' से मोतीलाल का सितारा बुलंदियों पर पहुंच गया। इस फिल्म में उन्होंने चुन्नी बाबू का रोल निभाया था, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

### लाइफस्टाइल थी चर्चा का विषय

मोतीलाल ने रईस खानदान से थे, इसलिए उन्हें पैसों की कोई कमी नहीं थी।उनकी लाइफस्टाइल उस दौर में चर्चा का विषय थी। वह अपने बिंदास अंदाज के लिए इंडस्ट्री में मशहूर थे। हमेशा सूट-बूट में रहने वाले मोतीलाल को हैट पहनने का भी बहुत शौक था। मोतीलाल को तेज रफ्तार में कार चलाने और प्लेन उड़ाने का भी शौक था। उन्होंने लाइसेंस भी लिया था। हॉर्स राइडिंग और क्रिकेट खेलने का भी उन्हें बहुत शौक था। शूटिंग के दौरान भी ब्रेक मिलने पर वो को-स्टार्स के साथ क्रिकेट खेलते थे।

## योगी आदित्यनाथ की बायोपिक की पहली झलक आई सामने

**मुंबई।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अब फिल्म बन रही है जिसका नाम है 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ योगी'। फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है। फिल्म के मोशन पोस्टर को शेयर किया गया है जिसमें एक्टर को अनंत जोशी को भगवा रंग के कपड़ों में देखा जा सकता है। मोशन पोस्टर में योगी आदित्यनाथ की जर्नी दिखाने की कोशिश की गई। इस वीडियो में उनका आम जीवन, आध्यात्मिक और राजनीति जर्नी की एक झलक है। फिल्म में इसे विस्तार से दिखाया जाएगा। फिल्म को सम्राट सिनेमैटिक्स के तले बनाया जा रहा है। ऋतू मेंगी फिल्म की प्रोड्यूसर और रवींद्र

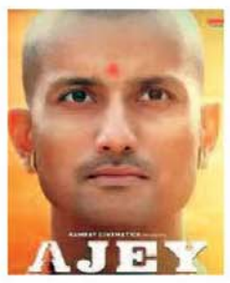


गौतम ने डायरेक्शन की कमान संभाली है। फिल्म शांतनु गुप्ता की लिखित किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर पर आधारित है। इस फिल्म में उनके राजनीतिक फैसलों, त्याग, भगवान से उनका रिश्ता दिखाया जाएगा। योगी आदित्यनाथ की इस बायोपिक में एक्टर अनंत जोशी लीड रोल में हैं जिन्हें आपने रवि किशन की वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में देखा होगा। इनके अलावा भोजपुरी एक्टर दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, गरिमा सिंह, ईशान खट्टर के पिता राजेश खट्टर अहम रोल निभाते दिखेंगे।

## योगी की बायोपिक की पहली झलक आई सामने...

**मुंबई।** श्रद्धा कपूर के हालिया एक्स पोस्ट ने फैंस को परेशान कर दिया है। जिसके बाद अब फैंस ये समझ नहीं पा रहे हैं कि अभिनेत्री का अकाउंट हैक हो गया है या कोई और बात है। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी लाइफ से जुड़ी बातें और चीजें अपने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसीलिए फैंस को श्रद्धा के पोस्ट का काफी इंतजार भी रहता है। लेकिन, अब श्रद्धा ने अपने एक्स अकाउंट से एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। क्योंकि, फैंस श्रद्धा के इस पोस्ट का मतलब नहीं समझ पा रहे हैं। श्रद्धा

ने ये ट्वीट मंगलवार को लगभग रात साढ़े दस बजे के करीब किया है। अपने इस ट्वीट या पोस्ट में श्रद्धा ने सिर्फ इतना लिखा है, "**Easy $28. GG!**" श्रद्धा के इस पोस्ट के बाद अब फैंस ये समझ नहीं पा रहे हैं कि श्रद्धा ने ये क्या लिखा है और क्यों लिखा है। श्रद्धा के इस पोस्ट के बाद अब फैंस अपने अलग-अलग कयास लगा रहे हैं। कुछ फैंस का कहना है कि श्रद्धा का अकाउंट हैक हो गया है, तो वहीं कुछ ये नहीं समझ पा रहे हैं कि ये कोई पीआर स्टंट है या श्रद्धा ने किसी गेम में कोई 28 डॉलर जीते हैं। फिलहाल तो श्रद्धा का ये पोस्ट अभी भी एक रहस्य ही बना हुआ है।

## दिलजीत को मिला बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड

**मुंबई।** फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड ने क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड्स 2025 के विनर्स का नाम अनाउंस कर दिया है। फीचर फिल्म सेगमेंट में, 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' ने बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता है। वहीं , दिलजीत दोसांझ ने 'अमर सिंह चमकीला' में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बेस्ट एक्टर का खिताब अपने नाम किया है।

***बेस्ट एक्ट्रेस :*** बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दर्शना राजेंद्रन को मिला है। उन्हें ये अवॉर्ड फिल्म 'पैराडाइज' में उनके शानदार परफॉर्मेंस की वजह से मिला है। 'लापता लेडीज' में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए रवि किशन बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला है। वहीं कनी कुसरुति को 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में उनकी भूमिका के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला है।

***वेब सीरीज :*** वेब सीरीज की कैटेगरी में 'पोचर' को बेस्ट वेब सीरीज का अवॉर्ड मिला है। निमिशा सजयान को 'पोचर' और बरुन सोबती को 'रात जवान है' के लिए बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

***शार्ट फिल्म :*** लघु फिल्मों में, ओबुर ने श्रेणी में अपना दबदबा बनाया, जिसने कई अन्य पुरस्कारों के साथ सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार जीता। हरीश खन्ना को जल तू जलाल तू के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया।

# इमरान हाशमी स्टारर फिल्म सही समय पर आई, गुमनाम हीरो को पहचान मिली

आतंकवाद के खिलाफ बीएसएफ अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे के मिशन पर केंद्रित, यह वास्तविक जीवन की घटनाओं को दिलचस्प कहानी के साथ जोड़ती है। ग्राउंड जीरो की रिलीज पहलगाम हमले के बाद एक विशेष रूप से प्रासंगिक क्षण में हुई है। राष्ट्र परेशान है, गुस्से में है, और इन सबके बीच, जब कश्मीर में अशांति और भारत की बहादुरी के बारे में एक फिल्म सामने आती है, तो इसे पसंद किया जाना तय है।

**ग्राउंड जीरो फिल्म समीक्षा**

यह फिल्म बीएसएफ अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे (इमरान हाशमी द्वारा अभिनीत) के नेतृत्व में आतंकवादी राणा ताहिर नदीम या गाजी बाबा को खत्म करने के अभियान के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी %पिस्टल गिरोह% से शुरू होती है, जो 2000 के दशक की शुरुआत में जेएनके में तैनात बीएसएफ अधिकारियों की हत्या कर रहा था, और नरेंद्र इन जघन्य हमलों के पीछे के मास्टरमाइंड को पकड़ना चाहता है। लेकिन सारा ध्यान और जनशक्ति 2001 के भारतीय संसद हमले की ओर मुड़ जाती है। एक और हमला होता है। पटकथा की गति अच्छी है, क्योंकि हम खुफिया और आतंकवाद-रोधी इस दुनिया में खो जाते हैं।

कहानी अगस्त 2001 में श्रीनगर से शुरू होती है, जहाँ एक लगभग कश्मीरी आतंकवादी को बंदूक थमाते और युवा लड़कों को बरगलाते हुए देखा जा सकता है। ये गरीब कश्मीरी लड़के पैसे और अपने परिवारों की सुरक्षा के लालच में अपने हाथों में बंदूकें उठा लेते हैं। बाद में, लगभग 70 सैनिकों को इन बंदूकधारी गिरोहों द्वारा सिर के पीछे गोली मारकर कायरतापूर्वक मार दिया जाता है, जब तक कि BSF अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे (इमरान हाशमी) एक ऑपरेशन के बाद शहर में वापस नहीं आ जाता। जब नरेंद्र एक आईबी अधिकारी के साथ गाजी बाबा को लगभग पकड़ लेता है, तो उसे पता चलता है कि 2001 में दिल्ली संसद पर हमले और 2002 में गुजरात के गांधीनगर में अक्षरधाम मंदिर पर हमले के पीछे गाजी ही था।

दूसरे भाग में, फिल्म और भी गंभीर हो जाती है। हालांकि, एक चीज जो इसके स्थान को कम नहीं करती है, वह है नरेंद्र का दृढ़ संकल्प और उनकी टीम का उन पर विश्वास। कुछ करीबी लोगों को खोने और एक आतंकवादी हमले के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद, क्रूर अधिकारी अपराधी को पकड़ लेता है। 7 गोलियों का सामना करने के बावजूद, नरेंद्र आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद का सफाया करने और गाजी बाबा को खत्म करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मिशन पूरा करता है।

**आतंकवाद के खिलाफ बीएसएफ अधिकारी नरेंद्र नाथ धर दुबे के मिशन पर केंद्रित, यह वास्तविक जीवन की घटनाओं को दिलचस्प कहानी के साथ जोड़ती है। ग्राउंड जीरो की रिलीज पहलगाम हमले के बाद एक विशेष रूप से प्रासंगिक क्षण में हुई है।**

ग्राउंड ज़ीरो कश्मीर में तैनात किसी भी सैनिक के दृढ़ संकल्प और साहस को सलाम है। चलिए मान लेते हैं, एक ऐसी जगह जहाँ सेना के जवानों पर पत्थर फेंके जाते हैं और आतंकवाद अपने चरम पर होता है, वहाँ कभी-कभी जोश कम पड़ सकता है। लेकिन इसके बावजूद, हमारे सैनिक न केवल अपनी आखिरी साँस तक युद्ध लड़ते हैं, बल्कि हमारे इतिहास की किताबों में भी अज्ञात या अस्वीकृत रहते हैं। लेकिन कुछ फिल्मों की तरह, ग्राउंड ज़ीरो भी लोगों को एक गुमनाम नायक की भूमिका के बारे में बताता है, जो हमारी ओर से हर तरह की मान्यता का हकदार है। फिल्म घटनाओं की एक श्रृंखला का अनुसरण करती है, जिन्हें बहुत अच्छे तरीके से क्रम में रखा गया है। फिल्म में कश्मीरी लहजे और लोकेशन दोनों का खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, यह आपको अंत तक बांधे रखती है और आपको यह जानने की इच्छा होती है कि अंत पहले से ही जानने के बावजूद आगे क्या होता है। लेकिन समस्या संवादों में है! देशभक्ति फिल्मों में रोंगटे खड़े कर देने वाले संवाद और आपकी आँखों में आँसू ला देने वाले गाने डालने की सबसे ज़्यादा सुविधा होती है। लेकिन ग्राउंड ज़ीरो दोनों ही करने में विफल रहता है। फिल्म में सिर्फ़ एक संवाद है, जो फ़र्क पैदा करेगा। %पहरेदारी बहुत होगी अब प्रहार होगा%, यह फिल्म में एकमात्र सही समय पर कही गई लाइन है। इसके अलावा, यह शायद इमरान हाशमी की पहली फिल्म होगी जिसमें ऐसा कोई गाना नहीं है जिसे आप थिएटर से बाहर निकलने के बाद याद रख सकें। इसके अलावा, ग्राउंड जीरो में कुछ ब्रेक हैं जिन्हें टाला जा सकता था।

ग्राउंड जीरो एक ऐसी फिल्म है जिसमें कोई भी अभिनेता ऐसा नहीं है जो भूमिका के लिए अनुपयुक्त हो। चाहे वह छोटा हो या बड़ा, प्रत्येक अभिनेता ने अपना काम बखूबी किया है, और पूरी टीम का नेतृत्व इमरान हाशमी ने किया है, जो हमेशा की तरह किरदार में पूरी तरह से ढले हुए हैं। बॉलीवुड अभिनेता को बाधाओं को तोड़ते हुए और अलग-अलग भूमिकाएँ निभाते हुए देखना वाकई राहत की बात है। टाइगर 3, ऐ वतन मेरे वतन और अब ग्राउंड जीरो के साथ फ़किसर मैनफ़ के रूप में टाइपकास्ट हुए इमरान वह सब कुछ कर रहे हैं जो एक सिनेप्रेमी उनसे उम्मीद करता है। अभिनेता फिल्म में स्वाभाविक है और जोया हुसैन ने उसका अच्छा साथ दिया है। हालांकि, इमरान की ऑन-स्क्रीन पत्नी, सई तम्हाणकर अप्रभावी हैं। ऑनस्क्रीन पति-पत्नी और 3 बच्चों के माता-पिता के बीच बिल्कुल भी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री नहीं है।

बीएसएफ के चित्रण में प्रामाणिकता दिखती है। निर्माताओं ने निर्माण के दौरान कई उच्च-श्रेणी के अधिकारियों से सही तरीके से सलाह ली है, यही वजह है कि फिल्म की शुरुआत में लोगों की लंबी सूची का धन्यवाद किया गया है। नरेंद्र के रूप में इमरान ने एक अभिनेता के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। यहाँ, उन्हें हँसने, रोने, लड़ने का मौका मिलता है- लेकिन उन दृश्यों में थोड़ा कम पड़ जाते हैं जिनमें अधिक आक्रामकता और जुनून की आवश्यकता होती है। उनकी पत्नी के रूप में सई ताम्हणकर ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। मुकेश तिवारी को उन कई कॉमिक भूमिकाओं से अलग होने का मौका मिलता है जिन्हें हमने आज तक देखा है, और वह इसे प्रबंधित करते हैं। खुफिया अधिकारी के रूप में जोया हुसैन ने इमरान के चरित्र को अच्छा समर्थन दिया है। कुल मिलाकर, ग्राउंड ज़ीरो एक अच्छी तरह से बनाई गई फिल्म है जो सही समय पर आई है। शुक्र है कि यह छाती पीटने वाले कट्टरपंथ से दूर है, और यह एक राहत की बात है।

## टीवी मसाला

## 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन का प्रोमो रिलीज...

**नई दिल्ली।** सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के कई सीजन आ चुके हैं। हर बार नए चेहरों के साथ नई प्रेमी कहानी दर्शकों को देखने को मिलती है। हाल ही में 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन का प्रोमो सामने आया है। इस बार सीरियल में शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा नए किरदारों में नजर आ रहे हैं। इस प्रोमो को देखकर सोशल मीडिया पर फैंस भी काफी उत्साहित हैं। सोनीटीवी ऑफिशियल के इंस्टाग्राम पेज पर सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' का प्रोमो साझा किया गया। इसमें अभिनेता हर्षद चोपड़ा का लुक काफी अलग नजर आया। लंबे बालों वाला उनका अंदाज फैंस को खूब भाया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्टर के नए लुक की तारीफ की है। शिवांगी जोशी की बात की जाए तो वह सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के प्रोमो में चश्मे वाले लुक में दिखीं। उनका पहनाव भी बहुत सादगी से भरा नजर आया। शिवांगी और हर्षद के किरदार प्रोमो में शॉपिंग करते हुए दिखे। दोनों एक्टर्स के बीच बहुत ही अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही हैं। इस प्रोमो पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर लिखता है, 'शिवांगी बहुत प्यारी लग रही है।' वहीं, एक-दूसरे यूजर ने लिखा, 'हर्षद और शिवांगी कितने क्यूट लग रहे हैं।' सीरियल के प्रोमो के साथ एक कैप्शन भी साझा किया गया है, जिसमें लिखा, 'हैप्पीली मैरीड होना सबका ख्वाब है, पर कैसे' ये सिर्फ इनका राज है।'

### बजरंगबली का संकटमोचन अवतार दिखेगा हनुमान जयंती को ...

**नई दिल्ली।** एनिमेटेड वेब सीरीज 'द लीजेंड्स ऑफ हनुमान' का अगला सीजन आगामी हनुमान जयंती पर स्ट्रीम किया जाएगा। यह सीरीज भगवान हनुमान के जीवन पर आधारित है, जिसमें भगवान

राम, लक्ष्मण, देवी सीता और अन्य लोगों के जीवन को भी दर्शाया गया है। इसके पहले पांच सीजन को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया है। 'द लीजेंड्स ऑफ हनुमान' का छठा सीजन 11 अप्रैल से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होना शुरू होगा। इस दिन हनुमान जयंती का पर्व भी पड़ रहा है, जो इसके रिलीज में आध्यात्मिकता को जोड़ेगा। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसमें भक्ति की शक्ति है, उसके लिए पर्वत भी हल्का है! ट्रेलर में बजरंगबली अपने संकटमोचन अवतार में दिखें। उन्होंने संजीवनी बूटी के लिए पूरा पर्वत उठा लिया।

## भारत में 'संतोष' की रिलीज पर रोक...

**नई दिल्ली।** ब्रिटिश-इंडियन फिल्ममेकर संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष', जो ऑस्कर अवॉर्ड में यूके की तरफ से भेजी गई थी और शॉर्टलिस्ट भी हुई थी। उसे भारत में रिलीज होना था। लेकिन सीबीएफसी ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी है। इस फिल्म को क्रिटिक्स से भर-भरकर तारीफ मिली थी। लेकिन, बोर्ड को ये डर है कि इसमें महिलाओं के प्रति गलत भावना, इस्लामोफोबिया और इंडिया पुलिस फोर्स में हिंसा दिखाई गई है, जिसका असर समाज पर पड़ेगा। 'संतोष' को रिलीज करने से पहले उसमें कई कट लगाने को कहे हैं, जो पुलिस फोर्स और कई सामाजिक मुद्दों से संबंधित हैं। उत्तर भारत में बनाई गई इस फिल्म में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है, जिसे उसके पति की मौत के बाद उसकी जगह पर पुलिस में नौकरी मिलती है।

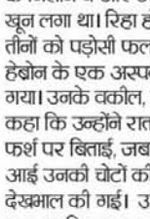

## ऑस्कर विजेता निर्देशक बलाल दिखें घायल...

**लॉस एंजिल्स।** ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निर्देशक हमदान बल्लाल को मंगलवार को रिहा कर दिया गया। उन्हें वेस्ट बैंक में यहूदी निवासियों द्वारा हमला किए जाने के बाद सेना ने हिरासत में लिया था। इस मामले पर निर्देशक की पत्नी का कहना है कि हमले के दौरान निर्देशक के साथ मारपीट की गई थी और वीडियो बनाया गया। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों के अनुसार, बल्लाल के चेहरे पर चोट के निशान थे और उनके कपड़ों पर खून लगा था। रिहा होने के बाद तीनों को पड़ोसी फलस्तीनी शहर हेब्रोन के एक अस्पताल में ले जाया गया। उनके वकील, ली त्सेमेल ने कहा कि उन्होंने रात सैन्य अड्डे के फर्श पर बिताई, जबकि हमले में आई उनकी चोटों की काफी कम देखभाल की गई। उन्होंने पहले कहा था कि उन पर एक युवा निवासी पर पत्थर फेंकने का आरोप लगाया गया था।

# करोड़ों की जमीन पर अवैध कब्जे को प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्त किया

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा शहर में 1 अरब कीमत की जमीन पर अवैध कब्जे को

हटाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा एक्शन लिया है। नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार की दोपहर सेक्टर 145 के बेगमपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए बेशकीमती जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल और नोएडा प्राधिकरण के बड़े अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इस जमीन पर 2200 किसानों को कोटे के प्लाट दिए जाने हैं।नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार दोपहर बड़ी कार्रवाई कर करोड़ों रुपये की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर 145 के बेगमपुर में 108 हेक्टेयर जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया था। इस जमीन पर नोएडा प्राधिकरण सुप्रीम कोर्ट से केस जीत चुका है और जमीन अधिग्रहण के बदले मुआवजा भी ट्रेजरी में जमा करा चुका है। इसके बावजूद करोड़ो रुपये की इस जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था।

शनिवार दोपहर भारी फोर्स के साथ नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सेक्टर 145 के बेगमपुर में अवैध कब्जा हटाने पहुंचे। इस दौरान प्राधिकरण के बुल्डोजरों ने 108 हेक्टर जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटा दिया। नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम (सिविल) विजय रावल ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने वर्ष-2007 में सेक्टर-145 के बेगमपुर में लगभग 108 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की थी। किसान 2008 में इस मामले में हाईकोर्ट गए थे। जहां से उन्हें स्टे मिल गया था। 2013 में हाईकोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण के पक्ष में फैसला करते हुए रेट तय करने के लिए कहा था। जिसके बाद किसानों ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया और कई एसएलपी डाली गई। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष-2022 में हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए रेट निर्धारित करने के लिए निर्देश दिए। इस मामले में गौतमबुद्धनगर के एडीएम को निर्देशित किया गया कि वह रेट निर्धारित करें। उनके द्वारा निर्धारित किए गए रेट के हिसाब से नोएडा प्राधिकरण ने 19.07.2024 को ट्रेजडी में पैसा जमा करा दिया। श्री रावल ने बताया कि इस 108 हेक्टेयर भूमि पर 2200 किसानों को प्लॉट दिए जाने हैं। इसलिए बेगमपुर में प्राधिकरण की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया है।

# जेपी के 17 हजार बॉयर्स का फूटा गुस्सा 16 साल बाद भी नहीं मिला फ्लैट

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा में 16 साल के लंबे इंतजार के बावजूद भी जेपी इंफ्राटेक

लिमिटेड के करीब 17 हजार होम बायर्स अब भी अपने घरों का सपना पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। शनिवार को बड़ी संख्या में बायर्स ने सेक्टर-128 स्थित जेपी इंफ्राटेक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और अपनी नाराजगी जताई। बॉयर्स का कहना है कि हम लोग लोन की ईएमई भी पूरी दे चुके हैं लेकिन हमें अभी तक फ्लैट नहीं मिला।

प्रदर्शन कर रहे होम बायर्स का कहना है कि 2010 में उन्होंने 150 आवासीय टावरों में फ्लैट बुक कराए थे और 2013-14 तक पजेशन मिलने का वादा किया गया था। अधिकांश बायर्स ने लोन की ईएमआई तक चुका दी है और फ्लैट की पूरी कीमत भी अदा कर दी है, लेकिन आज तक घर नहीं मिला।

जेपी इंफ्राटेक के दिवालिया घोषित होने के बाद एनसीएलटी ने 'सुरक्षा ग्रुप' को अधूरी परियोजनाओं के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी थी। मई 2024 में योजना के हैंडओवर के समय यह वादा किया गया था कि 3-4 महीनों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। लेकिन अप्रैल 2025 तक भी अधिकांश टावरों में निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ।

फिलहाल कोसमोस, क्लासिक, केंसिंग्टन बुलेवार्ड, केंसिंग्टन पार्क अपार्टमेंट और हाइट्स प्रोजेक्ट्स के 62 टावरों में निर्माण कार्य चल रहा है, जिनसे 6,067 बायर्स जुड़े हुए हैं। हालांकि कोसमोस और केंसिंग्टन बुलेवार्ड के 15 टावरों में काम शुरू होना बाकी है। बायर्स का आरोप है कि जहां निर्माण के लिए 12,000 श्रमिकों की जरूरत थी, वहां सिर्फ 2,000 श्रमिक काम कर रहे हैं, जिससे प्रोजेक्ट लगभग ठप पड़ा है। 3,000 करोड़ रुपये की फंडिंग का भी अब तक इंतजाम नहीं हो सका है।

# यूपी परिवहन आयुक्त ने किया सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

**नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह की उपस्थिति में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में 'मिशन कर्मयोगी और सड़क सुरक्षा' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में तकनीक की भूमिका को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, आरटीओ गाजियाबाद पी.के. सिंह, एआरटीओ सियाराम वर्मा, एआरटीओ डॉ. उदित नारायण पाण्डेय सहित विभिन्न अधिकारी, एनजीओ, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन कराने तक सीमित नहीं है,

बल्कि इसके लिए जागरूकता, शिक्षा और तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार सड़क सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

कार्यशाला में कई तकनीकी पहलों पर चर्चा की गई, जैसे कि इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (IDTR), ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (ATS), इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)। श्री सिंह ने बताया कि इन तकनीकों से सड़क सुरक्षा में सुधार होगा, और दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी।

अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू ने सड़क सुरक्षा को एक सामुदायिक प्रयास के रूप में देखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने तकनीक और जागरूकता के संयोजन से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की बात कही।

कार्यशाला के समापन पर बी.एन. सिंह ने सभी से सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस कार्यशाला ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और तकनीक के माध्यम से प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए ।

# सैटलमेंट के नाम पर यूपी रेरा के एकाउटेंट ने मांगी रिश्वत, रंगें हाथों गिरफ्तार

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा /ग्रेटर नोएडा तथा उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में होम बायर्स

शिकायतकर्ता कुलदीप

की समस्याओं को सुलझाने के लिए बनाई गई यूपी रेरा में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। नोएडा में इस मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने यूपी रेरा के दफ्तर से एक होम बायर्स से रिश्वत मांगने के आरोप में अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है।

होम बायर्स की इस समस्या को सुलझाने के लिए तथा उन्हें फ्लैट का पोजीशन दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश में यूपी रेरा का गठन किया गया है। लेकिन अब यूपी रेरा के दफ्तर में ही भ्रष्टाचार चरम पर फैल रहा है।

ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा टू क्षेत्र में यूपी रेरा के दफ्तर से एक अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक नई दिल्ली निवासी सरकारी कर्मचारी कुलदीप ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-10 में एक सोसायटी में वर्ष-2016 में फ्लैट बुक कराया था। 2018 में फ्लैट का पोजीशन मिलना था लेकिन 2025 हो जाने के बावजूद उसे फ्लैट का पोजीशन नहीं मिला है। इस मामले में यूपी रेरा में केस चल रहा था।

पीड़ित ने बताया कि इस मामले की सेटलमेंट के लिए यूपी रेरा के दफ्तर में तैनात एक अकाउंटेंट ने उनसे 50000 रुपये की रिश्वत मांगी। 5000 रुपये उन्हें एडवांस में देने थे। इसकी जानकारी उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने अकाउंटेंट को 5000 रुपये दिए तो एंटी करप्शन ब्यूरो ने अकाउंटेंट को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित ने बताया कि यूपी रेरा ना तो उन्हें अपने फ्लैट का पोजीशन दिला पा रहा है और ना ही उनकी डिले पेनल्टी दिला पा रहा है। यूपी रेरा में रिश्वत कांड का खुलासा होने के बाद होम बायर्स परेशान और नाराज हैं।

# सरला चोपड़ा पब्लिक स्कूल में 'गणितीय तंबोला'

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा के सरला चोपड़ा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में कक्षा आठवीं के छात्रों के लिए गणित-विभाग की कक्षा 6-8 की गणित की शिक्षिकाओं द्वारा 'गणितीय तंबोला' का आयोजन किया गया।

इस गतिविधि का उद्देश्य छात्रों के बीच गणितीय कौशल को बढ़ावा देना और संख्याओं के प्रति रुचि उत्पन्न करना था। पारंपरिक तंबोला के स्थान पर, इस खेल में संख्याओं की बजाय गणितीय प्रश्न दिए गए और छात्रों को खेल के नियम समझाए गए थे।

'गणितीय तंबोला' गतिविधि ने छात्रों को न केवल खेलते हुए गणित सीखने का अवसर दिया, बल्कि उन्हें त्वरित गणना और ध्यान केंद्रित करने की भी प्रेरणा दी। इस आयोजन को सभी छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ सराहा।विजेताओं को सर्टिफिकेट और चॉकलेट भी प्रदान किए गए।

## ब्राह्मण रक्षा दल 30 अप्रैल को मनाएगा परशुराम जन्मोत्सव

**नोएडा ( चेतना मंच )।** आगामी 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु के

छठे अवतार भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर तीसरा विशाल भंडारे को आयोजन ब्राह्मण रक्षा दल नोएडा के सहयोग से हर साल की तरह किया जाएगा। भगवान परशुराम की मूर्ति की यथावत स्थापना भी यही मनकामेश्वर शिव मंदिर जी ब्लॉक सेक्टर 22 में मई 2022 में हुई थी। ब्राह्मण रक्षा दल द्वारा स्थापित भगवान परशुराम को स्थापित हुए ये तीसरा वर्ष है। उसी के उपलक्ष्य में यहां भंडारे का आयोजन होता आ रहा है। परशुराम जन्मोत्सव के लिए संगठन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

# ग्राम छाया में पोषण दिवस का आयोजन

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में, बाल विकास परियोजना अधिकारी दनकौर संध्या सोनी द्वारा ग्राम छाया में शहरी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, समय पर टीकाकरण, सही पोषण एवं स्वच्छता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। बैनरों और प्रदर्शनों के माध्यम से बताया गया कि बच्चों के जीवन के विभिन्न चरणों में उन्हें कितनी बार टीकाकरण और पोषण जांच की आवश्यकता होती है।

गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को भी उचित पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, कुपोषण की रोकथाम के लिए समुदाय को सरकारी योजनाओं और सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लाभार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया और महत्वपूर्ण जानकारियों को आत्मसात किया।

इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को बताया गया कि समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार और स्वच्छ जीवनशैली अपनाकर हम अपने बच्चों को स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं।

ग्राम छाया के निवासियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संकल्पों को मजबूत किया।